door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 308 | गुवाहाटी | शनिवार, 8 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मंत्रिमंडल की रूपरेखा को लेकर नड्डा के घर हुई बैठक पेज 2
बाढ़ की तैयारियों के संबंध में कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन की बैठक पेज 3
नीट में गड़बड़ियों के आरोपों की गंभीरता से जांच कराए केंद्र : गहलोत पेज 5
छेत्री की आंसुओं से विदाई, मैच के बाद फूट-फूटकर रोए, सॉल्ट लेक में उमड़ा... पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

सपने पूरे हों, इसके लिए पहले उन्हें देखना जरूरी होता है।
– **अब्दुल कलाम**

राष्ट्रपति से मिले नरेंद्र मोदी, पेश किया सरकार बनाने का दावा

नई दिल्ली (एजे /हि.स.)। लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) अब सरकार बनाने की कवायद तेज कर दी है। नरेंद्र मोदी इसी सिलसिले में शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचे। मालूम हो कि एनडीए ने शुक्रवार को सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया और सभी समर्थक सांसदों की लिस्ट राष्ट्रपति को सौंप भी दी है। वहीं, राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जी ने मुझे अभी बुलाया और मुझे प्रधानमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में काम करने के लिए कहा। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने मुझे शपथ समारोह के बारे में बताया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने राष्ट्रपति को बताया कि हम नौ जून को शपथ लेने के लिए तैयार हैं। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने आगे कहा कि अब राष्ट्रपति भवन बाकी विवरण तैयार करेगा और तब तक हम मंत्रिपरिषद की सूची राष्ट्रपति को सौंप देंगे। उसके बाद शपथ समारोह होगा। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के बाद यह पहला चुनाव है और देश की जनता ने एनडीए को लगातार तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। मैं देश के लोगों को आश्वस्त करता हूं कि पिछले दो कार्यकालों में जिस गति से देश आगे बढ़ा है और हर क्षेत्र में बदलाव दिखाई दे रहा है। 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर निकलना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए-1, एनडीए-2 और अब एनडीए-3 यह एक निरंतरता है और हमारे संकल्पों को लेकर, सूशासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को लेकर, देश के सामान्य जन के सपनों को पूरा करने के प्रयास के रूप में, इस निरंतरता को हम और अधिक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएंगे। भारत की जो वैश्विक छवि बनी है, दुनिया के लिए भारत एक विश्वबंधु के रूप में उभरा है। इसका मैक्सिमम एडवांटेज अब शुरू हो रहा है। मुझे पक्का विश्वास है कि ये 5 वर्ष, वैश्विक परिवेश में भी भारत के लिए बहुत उपयोगी होने वाले हैं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि 18वीं लोकसभा में भी, हमारे 5 साल के कार्यकाल में भी, हम उसी गति के साथ उतने ही समर्पण भाव से देश की आशा, आकांक्षाओं को पूर्ण करने में कोई कमी नहीं रखेंगे- पीएम नरेंद्र मोदी। मालूम हो कि आज संसद के सेंट्रल हॉल में एनडीए की बैठक हुई। इस बैठक में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुना गया।

9 को लेंगे पीएम पद की शपथ

संसद के सेंट्रल हॉल में हुई एनडीए की इस बैठक में सभी नव-निर्वाचित सांसद शामिल हुए। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता के तौर पर नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। इससे पहले एनडीए के घटक दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया था। राष्ट्रपति से मुलाकात और सरकार बनाने का आमंत्रण मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन के प्रांगण से अपने संबोधन में बताया कि वह रविवार 9 जून को शाम 6 बजे शपथ ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने उनसे मंत्रिपरिषद के गठन के बारे में जानकारी मांगी है। वह जल्द ही राष्ट्रपति को अपने मंत्रिपरिषद की जानकारी देंगे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों का तीसरी बार एनडीए सरकार को समर्थन देने के लिए आभार प्रकट किया और विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार निरंतर जनहित में कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए एक मजबूत, स्थिर और विकासोन्मुख सरकार बनाएगा। मोदी ने कहा कि 18वीं लोकसभा एक प्रकार से नई ऊर्जा, युवा ऊर्जा और कुछ कर गुजरने की इरादे वाली ये लोकसभा है। आजादी का अमृत महोत्सव के बाद का ये पहला चुनाव है। ये एक प्रकार से वो 25 वर्ष हैं, जो हमारे अमृतकाल के 25 -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी देश के सही समय पर सही नेता हैं : नायडू

नई दिल्ली (हि.स.)। तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता चंद्रबाबू नायडु ने संसदीय दल के नेता के तौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम का गर्मजोशी से अनुमोदन किया। आज (शुक्रवार) को संसद भवन की पुरानी इमारत के संविधान सदन में अपने अभिभाषण के दौरान चंद्रबाबू नायडु ने कहा कि जिस दृष्टिकोण और उत्साह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन वर्षों में काम किया है उसके मुताबिक वे देश के लिए *सही समय पर सही नेता* नेता हैं। लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को बहुमत मिलने के बाद शुक्रवार को दिल्ली में संसदीय दल की बैठक हुई और इसमें सभी ने नरेंद्र मोदी के नाम पर मुहर लगाई। इस बीच टीडीपी के नेता चंद्रबाबू नायडु ने प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश ने मोदी को बिना शर्त समर्थन देने का वादा किया

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि इस बार कोई उलटफेर नहीं होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पहले से कहीं ज्यादा दोहराया। उन्होंने बिना शर्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी निष्ठा की शपथ ली। जनवरी में एनडीए में शामिल हुए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अरुणाचल में खांडू सरकार को समर्थन देगी एनपीपी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) खांडू सरकार को समर्थन देगी। मेघालय के मुख्यमंत्री कानरेड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी ने विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। एनपीपी के प्रदेशाध्यक्ष थांगबांग वांगम ने कहा कि पार्टी ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में लोगों के -शेष पृष्ठ दो पर

नवनिर्वाचित सांसदों से मिले डॉ शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के घटक दल असम गण परिषद (अगप) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरेशन (यूपीपीएल) के नवनिर्वाचित सांसदों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया कि मैंने आज नई दिल्ली में अगप के नवनिर्वाचित सांसद फणिभूषण चौधरी और यूपीपीएल के जयंत बसुमतारी से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री को नेडा संयोजक पद से इस्तीफा दे देना चाहिए : गौरव गोगोई

गुवाहाटी। गौरव गोगोई ने यह बयान नेडा के संयोजक और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की टिप्पणी के जवाब में दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ब्लॉक उस तरह से काम नहीं कर रहा है, जैसा कि उनके असम के मुख्यमंत्री बनने से पहले करता था। लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के प्रदर्शन की समीक्षा के बीच, गठबंधन के संयोजक और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यह गठबंधन उस तरह से काम नहीं कर रहा है जैसा कि उनके असम के सीएम बनने से पहले करता था। असम के सीएम पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि शर्मा को नेडा के संयोजक पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि नेडा उस तरह काम नहीं कर रहा है जैसा कि मैं राज्य का सीएम बनने से पहले करता था। केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे असम के विकास पर ज्यादा ध्यान देने को -शेष पृष्ठ दो पर

असम मंत्रिमंडल में 15 अगस्त तक होगा फेरबदल : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वह 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए एक नई टीम बनाने के लिए 15 अगस्त तक कम से कम तीन नए चेहरों को शामिल करके अपने मंत्रालय में फेरबदल करेंगे। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने केंद्रीय नेतृत्व से इस बारे में बात नहीं की है और राज्य में बाढ़ की स्थिति खत्म होने के एक महीने बाद मंत्रालय में फेरबदल की प्रक्रिया पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अपना मंत्रालय बदलेंगे और इसे नया रूप दिया जाएगा। हमें 2026 के चुनावों के लिए टीम तैयार करने की जरूरत है जो नई ऊर्जा के साथ काम करेगी। हालांकि, शर्मा ने कहा कि अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है

क्योंकि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से बात नहीं की है, जो वर्तमान में बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बाढ़ की स्थिति भी चल रही है। इसलिए, हम एक महीने बाद शुरू करेंगे। 15 अगस्त तक हमारे पास एक नया मंत्रालय होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कैबिनेट में कम से कम तीन नए चेहरे शामिल किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि हमारे पास (मंत्रालय में) पहले से ही दो पद खाली हैं। हमारे मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं, इसलिए वह पद भी खाली होगा। असम के आबकारी, परिवहन और मत्स्य पालन मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य ने सिलचर से 2,64,311 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मौजूदा मंत्रियों को बदला नहीं जा सकता, लेकिन उनके विभागों में फेरबदल किए जाने की संभावना है।

गुवाहाटी डाकघर में खालिस्तान समर्थक पोस्टर मिले, जांच जारी

गुवाहाटी। अज्ञात व्यक्तियों ने गुवाहाटी शहर के डाकघर की दीवार पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे हैं, जिसके कारण पुलिस की मौजूदगी और जांच शुरू हो गई है। आज सुबह-सुबह मिले भित्तिचित्रों में *पूर्व खालिस्तानी क्षेत्र घोषित करें* और *भारत से यूनेस्को का अनुरोध करें* जैसे वाक्यांश शामिल थे। इस घटना ने क्षेत्र में खालिस्तानी उग्रवाद की भावनाओं के फिर से उभरने के बारे में निवासियों और अधिकारियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। घटनास्थल पर पुलिस के तुरंत पहुंचने के बावजूद, अपराधियों के बारे में कोई सुराग या जानकारी नहीं मिली है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और लोगों से ऐसी कोई भी जानकारी देने -शेष पृष्ठ दो पर

जिरिबाम में लापता शख्स की हत्या मामले में स्थानीय लोगों का प्रदर्शन, कर्फ्यू

इंफाल। मणिपुर सरकार ने जिरीबाम जिले में अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि उग्रवादियों द्वारा एक 59 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के मामले में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस प्रदर्शन को देखते हुए राज्य सरकार ने यह फैसला लिया है। सोइबम शरतकुमार सिंह का शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने कुछ जगहों पर आग लगा दी। इस घटना को देखते हुए गुरुवार रात से ही निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। हालांकि, तनाव भरे माहौल में शुक्रवार की सुबह स्थिति शांत रही। बता दें कि मृतक सोइबम शरतकुमार सिंह गुरुवार की सुबह से ही अपने फार्म से लापता थे। बाद में उनका शव बरामद किया गया। उनके शरीर पर घाव के निशान भी पाए गए थे। शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन करना शुरू किया। लोगों ने चुनाव के दौरान के मद्देनजर उनसे ली गई उनकी लाइसेंसी बंदूकें चुनाव खत्म होने के बाद उन्हें वापस करने की मांग की। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से शांति बरतने की अपील की। एक अधिकारी ने कहा कि असामाजिक तत्वों की गैरकानूनी गतिविधियों के -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम शपथ ग्रहण समारोह के लिए गहन सुरक्षा घेरे में दिल्ली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी अब 9 जून को होने वाले तीसरे कार्यकाल के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के हाई-प्रोफाइल शपथ ग्रहण समारोह से पहले एक सुरक्षा अभियान के लिए तैयार हो रही है। पिछले साल जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान देखे गए उपायों की तरह, शहर अब देश भर की खुफिया एजेंसियों और सशस्त्र बलों द्वारा समन्वित जमीन से हवा में निगरानी के साथ एक किला बनने के लिए तैयार है। यदि सूत्रों पर विश्वास किया जाए, तो मध्य -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र में लोस नतीजों के बाद सुनाई देने लगी सियासी उलटफेर की आहट

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र में लोकसभा नतीजे के बाद सियासी समीकरण बदलने की संभावना नजर आने लगी है। इसका कारण शिंदे समूह की शिवसेना के 6 विधायक उद्धव ठाकरे और राकांपा अजीत पवार गुट के करीब 16 विधायक शरद पवार के संपर्क में बताए जा रहे हैं। निर्दलीय विधायक बच्चू कडू भी वर्तमान शिंदे सरकार से नाराज बताये जा रहे हैं। उन्होंने 10 निर्दलीय विधायकों के साथ शिंदे सरकार का समर्थन किया था। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद गुरुवार को राकांपा अजीत पवार गुट की ओर विधायकों की बैठक बुलाई गई, जिसमें 5 विधायक अनुपस्थित थे। इसी के बाद राकांपा शरद पवार गुट के विधायक रोहित पवार ने दावा किया कि अजीत पवार गुट के करीब 16 विधायक शरद पवार के संपर्क में हैं। इन सभी विधायकों की घरवापसी के बारे में विचार विमर्श जारी है। हालांकि, राकांपा अजीत पवार के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने इसका खंडन करते हुए कहा कि कोई भी विधायक शरद पवार की पार्टी नें नहीं जाएगा, लेकिन फिर -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव 2024 : जनता की अदालत में नकारे गए दलबदलू नेता, 76 में से 20 ही बन पाए सांसद

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-2024 में कई सीटों पर चौंकाने वाले परिणाम आए हैं। कई दिग्गज नेताओं को हार का सामना करना पड़ा है तो कई सीटों पर प्रत्याशी की जीत ने हैरान भी किया है। चुनाव से पहले दिल और दल बदलने वाले कई नेताओं को इस बार जनता ने खारिज किया है। ऐसे ज्यादातर उम्मीदवारों को करारी हार का सामना करना पड़ा है। आइए जानते हैं इस चुनाव में दलबदलू नेताओं का प्रदर्शन कैसा रहा? भाजपा और कांग्रेस ने इस लोकसभा चुनाव में 76 दलबदलू नेताओं को चुनाव मैदान में उतारा था। ये 76 नेता किसी तरह जुगत लगाकर टिकट तो पा गए लेकिन जनता का भरोसा जीतने में सभी कामयाब नहीं रहे। इसमें से केवल 20 ही सांसद बन पाए हैं। इससे जाहिर है कि 73 फीसदी दलबदलू नेताओं को जनता ने नकारा है। राजनीतिक दलों के लिए ये आने वाले चुनावों में भी बड़ी सीख होगी। पार्टी के हिसाब से देखें तो दूसरी पार्टियों से आए 33 नेताओं को कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में टिकट दिया था। इसमें से 26 नेता जनता का भरोसा नहीं जीत सके। इस तरह 78 फीसदी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मंत्रिमंडल की रूपरेखा को लेकर नड्डा के घर हुई बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसदीय दल की बैठक के बाद मंत्रिमंडल की रूपरेखा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर बैठकों का दौर शुरू हो गया है। बैठक में अमित शाह और राजनाथ सिंह मौजूद हैं। बैठकों के दौर में सबसे पहले जेपी नड्डा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी जेपी नड्डा के घर पहुंचे। नड्डा सभी सहयोगी दलों से एक एक करके मुलाकात कर रहे हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल के ऊपर गहन मंथन चल रहा है। कौन से मंत्रालय किसको दिए जाएंगे, इस पर चर्चाओं का दौर जारी है। नौ जून को एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। इससे पहले प्रमुख मंत्रालयों के वितरण पर गहन चर्चा की जा रही है। उधर, टीडीपी के नेता चंद्रबाबू नायडू भी नड्डा से मुलाकात करेंगे। हालांकि आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग पर टीडीपी नेता नारा लोकेश ने कहा कि भाजपा को उनकी पार्टी का समर्थन बिना शर्त के है। उन्होंने विशेष दर्जे की बात पर कहा कि साल 2014 में आंध्र प्रदेश राज्य का विभाजन लोगों के बहुमत के खिलाफ किया गया था। इससे नुकसान हैदराबाद का सबसे ज्यादा हुआ। हैदराबाद एक आर्थिक महाशक्ति है और बहुत से लोग इस पर निर्भर हैं। इसलिए वे चाहते थे कि राज्य को एक विशेष छूट दी जाए ताकि हम वहां पुनर्निर्माण कर सकें। राज्य के विकास के लिए टीडीपी एनडीए के साथ काम करने के लिए उत्सुक है।

छह दशकों में पहली बार किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल मिला : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह पिछले छह दशकों में अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि 1962 के बाद यह पहली बार है कि किसी प्रधानमंत्री को तीसरा कार्यकाल मिला है। उपराष्ट्रपति के आवास पर राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे अपने विचार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया की शक्ति का उपयोग करें और लोकतंत्र में हानिकारक प्रवृत्तियों के प्रति सतर्क रहें। सकारात्मक विकास के लिए संसद में रचनात्मक बहस, संवाद और चर्चा की भूमिका पर जोर देते हुए धनखड़ ने प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि यदि वे इन सिद्धांतों से कोई कमी देखते हैं तो वे जनमत को संगठित करें। उन्होंने आगे कहा कि भारत कोई सोया हुआ दानव नहीं है, बल्कि हम एक गतिशील देश हैं, जो हर दिन और हर पल आगे बढ़ रहा है। स्पष्टता के लिए भारतीय संविधान से परामर्श करने के महत्व पर जोर देते हुए, धनखड़ ने प्रशिक्षुओं को सलाह दी कि जब भी कोई संदेह हो तो वे भारतीय संविधान का पाठ पढ़ें। इंटर्नशिप कार्यक्रम को एक संसदीय स्टार्टअप बताते हुए धनखड़ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे नागरिक अप्रत्यक्ष रूप से भाग ले सकते हैं और संसद सदस्य बने बिना भी याचिकाओं के माध्यम से सार्वजनिक मुद्दों को उठा सकते हैं। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी, उपराष्ट्रपति के सचिव सुनील कुमार गुप्ता, राज्यसभा के सचिव रजीत पुन्हानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सूडान की सेना और अर्धसैनिक बल के बीच भीषण संघर्ष में 100 की मौत

काहिरा (हि.स.)। सूडान में पिछले कई वर्षों से अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) और सेना के बीच जारी लड़ाई के बीच बुधवार को एक ताजा घटनाक्रम में सूडान के गेजीरा प्रांत के एक गांव पर हुए हमले में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। ताजा हमला अर्धसैनिक बल की तरफ से किया गया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दारफूर के गवर्नर मिनी अर्को मिनावी ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर जारी पोस्ट में बताया कि आरएसएफ द्वारा गेजीरा के वाद-अल-नोरा गांव पर किए गए हमले में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हताहत हुए हैं। गेजीरा की राजधानी वाद मदानी के लोगों को बचाने के लिए गठित समिति ने देर रात बुधवार को सोशल मीडिया पर बताया कि अर्धसैनिक बल सालों से सूडान की सेना से लड़ रहा है और गांव पर हमला करने के लिए उसने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। मदानी रेजिस्टेंस कमेटी ने आरोप लगाया कि अर्धसैनिक बलों के कर्मियों ने हमले के साथ वाल अल नोरा में लूटपाट भी की।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत, दो घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिलांतर्गत एजारबाड़ी में बीती रात एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसपर सवार एक युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार एक बाइक पर तीन व्यक्ति सवार हो कर जा रहे थे। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई। जबकि, अन्य दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। घायल दोनों युवकों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देखकर दोनों को गुवाहाटी में उन्नत चिकित्सा के लिए रेफर किया गया। मृत युवक की पहचान गिरिकांत नाथ के रूप में हुई है। मृतक युवक मूल रूप से होजाई जिला के लंका थानांतर्गत उदाली का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

हेरोइन के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के बोको बाजार में ड्रग्स के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक जूते और कपड़ों की दुकान से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया। पुलिस ने आज बताया कि 44 कंटेनर और एक पैकेट हेरोइन जब्त किया गया। दुकान की मालकिन सौंदर्या दास को गिरफ्तार कर लिया गया। दुकान में नेम प्लेट नहीं लगा है। सौंदर्या दास का घर ग्वालपाड़ा के अगिया उलुपाड़ा में बताया गया है।

संसद भवन परिसर में फर्जी आधार कार्ड से तीन लोगों ने की घुसने की कोशिश, गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद भवन परिसर में फर्जी आधार कार्ड दिखाकर तीन लोगों ने घुसने की कोशिश की। तीनों मजदूर हैं। इनके नाम कासिम, शोएब और मोनिस हैं। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। संसद की सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने तीनों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। आरोपितों के खिलाफ आईपीसी की कई गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना 4 जून दोपहर 1 बजकर 30 मिनट पर संसद भवन के गेट नंबर 3 की बताई जा रही है। सुरक्षाकर्मियों ने गेट पर इनके आधार कार्ड देखे तो तो उनको कुछ शक हुआ। इसके बाद आधार कार्डों की जांच की गई तब साफ हुआ कि वह फर्जी हैं। इसके बाद तीनों को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और बाद में उनको गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना के बाद संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। बताया गया है कि तीनों मजदूरों को संसद भवन परिसर के भीतर एमपी लाउंज के निर्माण कार्य के लिए रखा गया था। उल्लेखनीय है कि पिछले साल दिसंबर में दो लोग संसद भवन की दर्शक दीर्घा में कूद गए थे। इस घटना के बाद संसद भवन की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया था। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। इस घटना को संसद की सुरक्षा में बड़ी सेंध माना गया था। ताजा घटना फर्जी आधार कार्ड से जुड़ी है।

राजस्थान में आंधी-तूफान, पेड़ के नीचे दबा परिवार, मां-बेटी की मौत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में तेज गर्मी से लोगों को राहत मिलनी शुरू हो गई। प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ से शुक्रवार को भी मौसम बदलने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद तीव्र मेघगर्जन, तेज अंधड़ और बारिश होने की संभावना है। इस दौरान पश्चिमी राजस्थान में तेज अंधड़ के साथ कहीं-कहीं बारिश, वज्रपात व ओलावृष्टि होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार तंत्र का प्रभाव आठ-नौ जून को भी बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन, आंधी व हल्की बारिश के रूप में जारी रहेगा। दस जून से कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आंधी बारिश की गतिविधियां दर्ज होने और शेष भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। विभाग ने बीकानेर, चूरू और नागौर में अगले कुछ घंटों के भीतर मेघगर्जन, धूलभरी आंधी, वज्रपात और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। विक्षोभ के असर से गुरुवार शाम को जयपुर, सीकर, दौसा के अलावा श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर में तेज धूलभरी आंधी चली। तेज तूफान के कारण कई जगह पेड़, ट्रांसफार्मर के खंभे और होर्डिंग बोर्ड गिर गए। झुंझुनूं के खेतड़ी में आंधी के कारण पेड़ टूटकर गिरने से 11 साल की बच्ची और उसकी मां की मौत हो गई। राजधानी जयपुर में रात करीब 10 बजे बाद मौसम में बदलाव आया। आसमान में बादल छाने के साथ हवा चलनी शुरू हुई। रात करीब साढ़े दस बजे तेज रफ्तार से आंधी शुरू हो गई और आसमान में मिट्टी का गुबार छा गया। तेज आंधी से कुछ जगह पेड़-पौधे गिर गए। झुंझुनूं के खेतड़ी क्षेत्र के बांसियाल गांव में आंधी के कारण पेड़ टूटकर घर के बाहर सो रहे परिवार पर गिर गया। हादसे में 11 साल की काजल की मौत हो गई और उसकी मां सावित्री (45) घायल हो गई। घायल सावित्री को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इससे पहले देर शाम श्रीगंगानगर, बीकानेर के साथ हनुमानगढ़ में काली-पीली आंधी चली। श्रीगंगानगर के सीमावर्ती एरिया में धूल का बड़ा गुबार उठा और आसमान में छा गया। कई गांवों में पेड़ और ट्रांसफार्मर लगे रोड लाइट के खम्भे गिर गए। इससे गांवों में बिजली की सप्लाई प्रभावित हो गई। सड़क किनारे लगे बड़े होर्डिंग, घरों और अन्य जगह लगे टीनशैड भी उड़ गए। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान में गिरावट हुई। सबसे ज्यादा तापमान कल चित्तौड़गढ़ में 43.7 डिग्री सेल्सियस रहा। जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, टोंक, धौलपुर समेत कई शहरों में कल दिन का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। चित्तौड़गढ़ के अलावा वनस्थली (टोंक), बारां, करौली में कल दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी जयपुर में तापमान 41.6, कोटा में 42.6, उदयपुर में 40, धौलपुर में 42.2, बाड़मेर-जैसलमेर में 40.5, जोधपुर में 40.9, फलोदी में 40.6, बीकानेर-चूरू में 42.4, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ में 39 डिग्री सेल्सियस के आस-पास मापा गया। जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक शुक्रवार को अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक, बाड़मेर और पाली में येलो अलर्ट, जबकि गंगानगर, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं और सीकर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

राष्ट्रपति से मिले...

वर्ष हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए एक मजबूत, स्थिर और विकासोन्मुख सरकार बनाएगा। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि पिछले दो टर्म में जिस गति से देश आगे बढ़ा है, समाज के हर क्षेत्र में परिवर्तन साफ साफ नजर आ रहा है। 25 करोड़ लोगों का गरीबी से बाहर आना अपने आप में देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में एक विश्वबंधु बनकर उभरा है। इसका अधिकतम लाभ हमें मिलना शुरू हो रहा है। उन्हें पक्का विश्वास है कि 5 वर्ष वैश्विक परिवेश में भी भारत के लिए बहुत उपयोगी होने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आज संविधान सदन में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार सरकार बनाने के लिए एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया। संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेताओं लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी भेंट की।

नरेंद्र मोदी देश ...

नरेंद्र मोदी के नाम का अनुमोदन करते हुए उन्हें पूरा समर्थन की बात कही। उन्होंने मोदी सरकार के बीते 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए बड़ा दावा किया। चंद्रबाबू नायडु ने कहा कि देश दुनिया में तीसरी बड़ी इकॉनामी बननेवाला है। चंद्रबाबू नायडु ने अपने अभिभाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए तीसरी बार बन रही एनडीए के सरकार को देश के लिए बेहतर अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह भारत के विकास के लिए यह बेहतर अवसर है इस तरह का अवसर कभी नहीं मिलेगा। चंद्रबाबू नायडु ने कहा कि टीडीपी की ओर से प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी का नाम का अनुमोदन करते हुए उन्हें गर्व हो रहा है। इसके साथ उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सामूहिक सहयोग से देश में कोई गरीबी नहीं रह जाएगी। चंद्रबाबू नायडु ने टीडीपी के संस्थापक और आंध्रप्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के मानवता के प्रति दृष्टिकोण की तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की। नायडू आगे कहा कि टीडीपी का एनडीए से संबंध एनटी रामाराव के समय से है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी उन्हें गर्व है कि वे ऐसे मेहनती नेता के साथ रहे।

नीतीश ने मोदी...

नीतीश कुमार ने पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एनडीए सांसदों की बैठक के दौरान मोदी को अपना समर्थन देने का वादा करते हुए कहा कि आपकी जो भी जरूरत होगी, हम आपके साथ रहेंगे। हम आपके साथ हैं। जनता दल (यूनाइटेड) भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी का समर्थन करता है। 2005 से बिहार की राजनीति की बागडोर संभाल रहे नीतीश कुमार ने हाल ही में भाजपा से हाथ मिलाकर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। एनडीए, विपक्षी नेतृत्व वाले महागठबंधन और फिर इंडिया ब्लॉक के बीच तेजी से पाला बदलने के लिए जाने जाने वाले नीतीश कुमार को *पलटू राम* उपनाम मिला। हालांकि, इस बार कुमार अपनी आवाज, शब्दों और शारीरिक हाव-भाव में आत्मविश्वास से भरे हुए दिखाई दिए, जब उन्होंने बिना शर्त समर्थन की घोषणा की, जिससे कम से कम फिलहाल सभी अटकलों और तानों पर विराम लग गया। मोदी से हाथ मिलाकर मिलना सहयोगियों के बीच के बंधन और विश्वास को दर्शाता है। नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड), जिसने बिहार में 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था, में से 12 पर जीत हासिल की, वह नई दिल्ली में तीसरी बार नरेंद्र मोदी सरकार का हिस्सा बनने जा रही है। उनका समर्थन भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने दम पर 240 सीटें जीतीं और 272 सीटों के आधे आंकड़े से दूर रह गई। नीतीश कुमार ने अपने सहज लेकिन अशिष्ट अंदाज में बोलते हुए अपने छोटे से भाषण में कुछ हास्य का तड़का भी लगाया, जिसके दौरान भावी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुछ बार हंसते हुए देखा गया। कुमार ने मजाकिया लहजे में कहा कि आप [मोदी] रविवार को शपथ लेने जा रहे हैं, मैं चाहता तो आज ही शपथ लेता। लेकिन आप जब चाहें, अच्छा है। मेरा अनुरोध था कि आपका शपथ ग्रहण समारोह यथाशीघ्र हो। इस पर एनडीए नेताओं के बीच मोदी भी हंस पड़े। अपने संबोधन के बाद नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी के पैर छूने के लिए झुके, लेकिन मोदी ने उनसे हाथ मिलाया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन देने के बदले नीतीश कुमार ने एक खास इच्छा पूरी करने की बात कही। कुमार ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हम इस बात से रोमांचित हैं कि वह (मोदी) पिछले 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने के बाद एक और कार्यकाल के लिए जा रहे हैं। उन्होंने पूरे देश की सेवा की है और हमें उन पर भरोसा है कि वे सभी राज्यों की भी सेवा करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि हमें उम्मीद है कि आपके नेतृत्व में बिहार और भारत खूब तरक्की करेगा। बिहार के सभी काम पूरे होंगे, जिनमें वे भी शामिल हैं जो अभी पूरे नहीं हुए हैं। हालांकि बिहार के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से अपनी इच्छा नहीं बताई, लेकिन बिहार का जिक्र स्वाभाविक रूप से बिहार की कुछ पुरानी मांगों की ओर इशारा करता है, जिसमें विशेष श्रेणी का दर्जा (एससीएस) का अनुरोध और बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए मौलिक रूप से कार्य करने की आवश्यकता शामिल है।

मुख्यमंत्री को नेडा...

कहा है क्योंकि अब मैं सीएम हूं। यहां तक कि लोकसभा चुनावों के लिए भी मुझे अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर पूर्वोत्तर के किसी दूसरे राज्य में प्रचार करने के लिए नहीं कहा गया। और आप वहां बीजेपी के लिए नतीजे देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा नहीं जानता कि चुनाव में पूर्वोत्तर के दूसरे राज्यों में क्या हुआ। मणिपुर में हम जिन सीटों पर हारे, वहां धार्मिक नेता चुनाव लड़ रहे थे। जब कोई धार्मिक नेता चुनाव लड़ रहा हो, तो कोई राजनीतिक नेता उस पर कब्जा नहीं कर सकता। कुछ राज्यों में नतीजे अप्रत्याशित थे। तुरा जैसी सीटों पर अगाथा संगमा की हार अप्रत्याशित थी। सिक्किम में हमारे सहयोगी एसकेएम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। अरुणाचल और त्रिपुरा में हमने अच्छा प्रदर्शन किया है। असम की सीमा पूर्वोत्तर के ज्यादातर राज्यों से लगती है, इसलिए मुझे ज्यादातर राज्यों में प्रचार करने नहीं जाने को कहा गया। असम को छोड़कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और सिक्किम को छोड़कर नेडा के अधिकांश गठबंधन सहयोगी हार गए। अरुणाचल प्रदेश में, भाजपा ने अपना दबदबा बनाए रखा और दोनों सीटों पर बड़े अंतर से जीत हासिल की। मेघालय में मिले-जुले नतीजे देखने को मिले, जहां वीपीपी ने शिलांग में एक सीट जीती और कांग्रेस ने तुरा में दूसरी सीट जीती। मणिपुर में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव हुआ, जहां कांग्रेस ने दोनों सीटों पर जीत हासिल कर जोरदार वापसी की, जिससे महीनों से चल रही जातीय हिंसा और संघर्ष के बीच मतदाताओं की भावना में बदलाव और भाजपा के प्रति असंतोष का संकेत मिला। मिजोरम में, जेडपीएम ने एकमात्र सीट बरकरार रखी और त्रिपुरा ने क्षेत्रीय रुझान का अनुसरण किया, जहां भाजपा ने दोनों सीटें जीतकर पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति मजबूत की। हालांकि, नगालैंड में, एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन को झटका लगा, जहां उसे दोनों सीटें कांग्रेस के हाथों गंवानी पड़ी, जिससे राज्य की राजनीतिक गतिशीलता में एक आश्चर्यजनक बदलाव आया। सिक्किम में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने अपनी एकमात्र सीट पर नियंत्रण बनाए रखा, जिससे क्षेत्रीय पार्टी के निरंतर प्रभाव का पता चला। पूर्वोत्तर में नेडा के प्रदर्शन पर सीएम हिमंत विश्व शर्मा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि पूर्वोत्तर में एनडीए के नतीजों को देखते हुए हिमंत विश्व शर्मा को नेडा संयोजक के पद से इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। यह शर्मनाक है कि इसके बजाय वह अपनी विफलता के लिए एक विशेष समुदाय को निशाना बना रहे हैं। असम में भी, एक विशेष समुदाय को लक्षित करने वाले उनके बयानों को अधिकांश लोगों ने खारिज कर दिया है और परिणाम यह दिखाते हैं।

गुवाहाटी डाकघर में ...

की अपील कर रही है जिससे जिम्मेदार लोगों की पहचान करने में मदद मिल सके। स्थानीय निवासियों ने अपनी बेचैनी व्यक्त करते हुए कहा कि शहर में हाल के वर्षों में खालिस्तानी समर्थन का ऐसा खुला प्रदर्शन नहीं देखा गया है। अधिकारी ऐतिहासिक संदर्भ और अशांति की संभावना को देखते हुए इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। पुलिस किसी भी तरह की बर्बरता को रोकने और लोगों को आश्वस्त करने के लिए उस स्थान पर मौजूद है। जांच आगे बढ़ने पर और अपडेट दिए जाएंगे।

जिरिबाम में लापता ...

कारण इलाके में दंगा होने की संभावना है। स्थानीय प्रशासन ने पांच या उससे अधिक व्यक्तियों की सभा को गैरकानूनी बताया। प्रशासन ने कहा कि कानून व्यवस्था के मामले में जिरीबाम जिला फिलहाल कठिन समय का सामना कर रहा है। समाज के सभी वर्गों से शांति बरतने की अपील की गई है। झूठी खबरों से भी दूरी बनाने को कहा गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने जिरीबाम के पुलिस अधीक्षक से संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को तैनात करने का अनुरोध किया।बता दें कि मणिपुर में पिछले एक साल से ही हिंसा जारी है। दरअसल, मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में पिछले साल तीन मई को पर्वतीय जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हुई थीं। राज्य में तब से अब तक कम से कम 160 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हिंसा में सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम शपथ ग्रहण...

दिल्ली को सुरक्षित करने के लिए उन्नत घुसपैठ चेतावनी प्रणालियों से लेकर गुप्त स्नाइपर्स तक हर संभव संसाधन को लागू किया जाता है, जिसे अधिकारियों ने संभावित *सुरक्षा दु:स्वप्न* के रूप में वर्णित किया है। गौरतलब है कि भव्य शपथ ग्रहण समारोह के लिए अतिथि सूची में प्रमुख दक्षिण एशियाई नेता शामिल हैं, जिसकी पुष्टि बांग्लादेश और श्रीलंका के प्रधानमंत्रियों से पहले ही मिल चुकी है। विशेष रूप से, इन गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस के लिए 3 प्राथमिक चुनौतियां हैं जो हैं:- इन होटलों से समारोह स्थलों तक गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए विस्तृत योजनाएं बनाई जा रही हैं। प्रत्येक गणमान्य व्यक्ति को कार्यक्रम की सुबह एक अद्वितीय कॉल साइन प्राप्त होगा, जिसका उपयोग राष्ट्रपति भवन और कर्तव्य पथ पर उनके काफिले की गतिविधियों के समन्वय के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, कई रिपोर्टों के अनुसार, गुरुवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में एक व्यापक विचार-मंथन सत्र में सुरक्षा व्यवस्था के कई प्रमुख पहलुओं को भी रेखांकित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ सहयोग आने वाले नेताओं के लिए रक्षा की पहली पंक्ति बनाने के लिए तैयार है, जबकि दिल्ली पुलिस साझा खुफिया जानकारी और डेटा के आधार पर स्थानों और मार्गों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

महाराष्ट्र में लोस ...

भी अंदरूनी जोड़-तोड़ जारी रहने की जोरदार चर्चा है। इसी तरह शिवसेना शिंदे समूह के कई विधायक एकनाथ शिंदे की बैठक में कल हुई बैठक से अनुपस्थित थे। इसके बाद चर्चा है कि शिंदे समूह के करीब छह विधायक उद्धव ठाकरे की शिवसेना में वापस आने को तैयार हैं। हालांकि, शिवसेना शिंदे समूह के प्रवक्ता ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। लोकसभा चुनाव में हमारे सात उम्मीदवार जीते हैं, जिनमें किसी भी तरह का असंतोष नहीं है। शिवसेना उपनेता सुषमा अंधारे ने कहा कि शिंदे समूह के कई विधायक बहुत पहले से ही उद्धव ठाकरे की शिवसेना में लौटना चाहते हैं, लेकिन पार्टी में निष्ठावान कार्यकर्ताओं को इन विधायकों की घर वापसी पसंद नहीं है। फिर भी शिवसेना अध्यक्ष के बारे में तल्ख आलोचना न करने वाले विधायकों के बारे में विचार किया जा सकता है। शिवसेना प्रवक्ता सचिन अहिर ने कहा कि संकट के समय हमें छोड़ कर जाने वालों के नाम पर विचार नहीं किया जा सकता। इस सबके बाद भी राज्य में लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद बड़े राजनीतिक उलटफेर की जोरदार चर्चा की जा रही है। इस लोकसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी ने 31 सीटों और भाजपा नीत एनडीए गठबंधन ने 17 सीटों पर चुनाव जीता है। महाराष्ट्र के कुल 288 विधानसभा क्षेत्रों में से करीब 185 सीटों पर महाविकास आघाड़ी की बढ़त रही है। इन नतीजों में शिंदे समूह और अजीत पवार समूह के अधिकांश विधायकों के विधानसभा क्षेत्रों में महाविकास आघाड़ी को जबर्दस्त बढ़त मिली है। इसी वजह से अंदरूनी तौर पर यह सभी विधायक चिंतित हैं। इसका एक और कारण यह भी है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के 23 और शिवसेना के 18 सांसद जीते थे। इनमें अमरावती की निर्दलीय सांसद नवनीत राणा इस बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं थीं। इनमें भाजपा के सिर्फ 9 उम्मीदवार ही सांसद बन सके हैं। इसी तरह शिवसेना के 18 सांसदों में से 14 सांसद सीएम शिंदे की शिवसेना के साथ थे। शिंदे समूह 17 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन शिंदे की शिवसेना के सिर्फ 7 उम्मीदवार ही सांसद बन सके हैं। अजीत पवार की राकांपा में 4 सांसद अजीत पवार के साथ थे, लेकिन इनमें से सिर्फ एक सुनील तटकरे ही सांसद बनने में सफल हुए हैं। इन स्थितियों में राकांपा का अजीत पवार गुट और शिंदे समूह की शिवसेना के विधायकों में असंतोष है, इसलिए आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में किसी बड़े सियासी उलटफेर होने की संभावना अभी से जताई जाने लगी है।

लोस चुनाव 2024 : जनता ...

नेता जनता की अदालत में नकारे गए। इसी तरह बीजेपी ने दूसरे दलों से आए 43 नेताओं को टिकट दिया था। इसमें से 30 को हार का सामना करना पड़ा है। टिकट और जीते प्रत्याशियों की संख्या पर नजर डालें तो जनता ने यहां 70 फीसदी दलबदलू नेताओं को नकारा है। रवनीत सिंह बिट्टू (तीन बार कांग्रेस के सांसद रहे) को लुधियाना सीट पर पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने करीब 21 हजार वोटों से हराया। ज्योति मिर्धा (पूर्व कांग्रेस सांसद) ने राजस्थान के नागौर से चुनाव लड़ा। उनको राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी उम्मीदवार हनुमान बेनीवाल ने 42 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से भाजपा उम्मीदवार अर्जुन सिंह को टीएमसी छोड़कर आए थे। उन्हें टीएमसी उम्मीदवार पार्थ भौमिक ने 64 हजार से ज्यादा वोटों से हराया है। इसी तरह हरियाणा में रणजीत सिंह चौटाला को कांग्रेस के जय प्रकाश ने हराया। सिरसा सीट पर अशोक तंवर कांग्रेस की शैलजा कुमारी के सामने हारे। बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए दानिश अली अमरोहा सीट से हार गए हैं। उन्हें भाजपा उम्मीदवार कंवर सिंह तंवर ने हराया है। पूर्व भाजपा नेता प्रहलाद गुंजल को राजस्थान की कोटा सीट पर हार का सामना करना पड़ा है। भाजपा के ओम बिरला ने उन्हें 2.78 लाख से ज्यादा वोटों से हराया है। बिहार की मुजफ्फरपुर सीट पर पूर्व भाजपा नेता अजय निषाद को भाजपा के राज भूषण चौधरी ने करीब दो लाख वोटों से हराया है। इसके साथ ही कांग्रेस की लिस्ट में हारने वाले अन्य दलबदलू नेताओं में तेलंगाना के चेवल्ला से जी रंजीत रेड्डी, सिकंदराबाद से दानम नागेंद्र और मलकाजगिरी से सुनीता महेंद्र रेड्डी हैं। इस तरह जनता ने राजनीतिक दलों को दो टूक संदेश दे दिया है कि दलबदलू नेताओं को टिकट देने से पहले वो सौ बार विचार करें।

अरुणाचल में खांडू ...

जनादेश को स्वीकार किया है और हम खांडू सरकार को समर्थन देंगे। लोंगडिंग-पुमाओ सीट से जीत दर्ज करने वाले वांगम ने कहा कि पार्टी का राज्य, क्षेत्र और देश के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है। हमारी राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ क्षेत्रीय आकांक्षाएं हैं और हम राज्य के विकास और लोगों के कल्याण के लिए सदैव काम करते रहेंगे। वांगम ने विकास, युवा रोजगार, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और नशे के खतरे से निपटने के प्रति पार्टी के फोकस को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम नशामुक्त समाज के लिए काम करेंगे और हम नशे के आदी लोगों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से जागरूक करेंगे। नशे के आदी लोगों को भी सामान्य जीवन जीने का दूसरा मौका दिया जाना चाहिए।

बाढ़ की तैयारियों के संबंध में कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला के अतिरिक्त जिला आयुक्त अजीत शर्मा और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में आज आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त ने आगामी बाढ़ के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा अपनाई जाने वाली जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कुछ दिन पहले आए चक्रवात *रेमल* से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए उठाए गए कदमों के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की। इसी तरह, कामरूप (मेट्रो) जिलो जैसे क्षेत्रों के लोग जो तूफान, बाढ़ और भूस्खलन के कारण अधिक प्रभावित हो सकते हैं, उन्हें आश्रय शिविरों में स्थानांतरित करने को लेकर भी अपनी बातें रखीं। उन्होंने जिला के अंतर्गत राजस्व सर्कल अधिकारियों से किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का भी आग्रह किया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) को पहले से ही प्राकृतिक आपदाओं से लोगों को बचाने के लिए स्टैंडबाय पर रखा गया है। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की संयुक्त सचिव हेमाश्री हजारिका ने संबंधित विभागों को अपने-अपने कर्तव्यों का पालन करने के निर्देश दिए। आज की बैठक में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के परियोजना अधिकारी कौस्तुभ तालुकदार और जिला आयुक्त कार्यालय के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। नशे के विरूद्ध गौरीपुर पुलिस की छापामारी अभियान जारी है। बिलासीपाड़ा पुलिस ने आज बताया है कि बीती रात गौरीपुर पुलिस के द्वारा चलाए गए अभियान में मादक पदार्थ से भरे प्लास्टिक के छोटे-छोटे 15 कंटेनरों के साथ एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि गुप्त सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने गौरीपुर चौरंगी मोड़ से एक ड्रग्स तस्कर दुलाल शेख को गिरफ्तार किया। दुलाल शेख का मूल रूप से मालतीखामा के द्वितिय खंड गांव का निवासी बताया गया है। दुलाल शेख पर आरोप है कि वह चौरंगी मोड़ में किराए के मकान में रहकर लंबे समय से ड्रग्स की सप्लाई कर रहा था। गौरीपुर पुलिस ने ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर उसे थाने ले आई। फिलहाल तस्कर से थाने में पुलिस अधिक जानकारी के लिए सघन पूछताछ कर रही है। आरोपित के विरूद्ध पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

हत्या के बाद जमीन गाड़कर रखा गया शव 13 दिन बाद बरामद

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिला के भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके के आमगुरी थानांतर्गत जनता बाजार इलाके में एक नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को जमीन में गाढ़कर छुपा दिया था। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि इस इस नृशंस हत्या कांड का पर्दाफाश 13 दिन बाद हुआ है। पुलिस की मौजूदगी में मृतक महिला के अर्धगले शव को जमीन से खोदकर बाहर निकाला गया। मृतक महिला की पहचान आमगुरी थाना क्षेत्र के सोनापुर गांव निवासी गौराऊ नार्जारी की दूसरी पत्नी हाउती नार्जारी (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या के आरोपित पति गौराऊ नार्जारी (60) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आमगुरी थाना क्षेत्र के सोनापुर गांव निवासी गौराऊ नार्जारी का 23 मई की रात शराब पीने के बाद घरेलू झगड़ा हुआ था। इसी बीच गौराऊ ने अपनी पत्नी के सिर पर डंडे से वार कर दिया, जिससे उसकी दूसरी पत्नी और तीन बेटियों और एक पुत्र की मां हाउती नार्जारी की मौत हो गई। हत्या के बाद गौराऊ ने अपनी पत्नी के शव को घर के पिछले हिस्से में स्थित तामुल (सुपारी) के बागीचे में गढ़ा खोदकर गाड़ दिया। मृतक महिला के बड़े भाई की शिकायत के आधार पर हत्या के 13 दिनों बाद आमगुरी थाने की पुलिस ने गुरुवार को हत्या के आरोपित पति गौराऊ नार्जारी को गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने तामुल के बागीचे में खुदाई करायी जहां से महिला का अर्धगलित शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच कर रही है।

असम राइफल्स ने हथियारों का बड़ा जखीरा किया बरामद

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स ने मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। असम राइफल्स द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार मणिपुर के नोनी जिले के तामलोक गांव से दो कार्बाइन मशीन गन, दो 9 एमएम की पिस्तौल, तीन .32 कैलिबर की पिस्तौल, एक रिवॉल्वर, एक चीनी हैंड ग्रेनेड, एक ग्रेनेड आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और कई अन्य युद्ध संबंधी सामान बरामद किए। बरामद सभी वस्तुओं को आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। मणिपुर में विभिन्न स्तर पर सुरक्षा बलों का अभियान जारी है, ताकि राज्य में स्थाई शांति बहाल हो सके।

मणिपुर पुलिस ने 71 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 71 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 236 वाहनों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 138 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 124 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग 37 और 6 पर जल जमाव, यातायात ठप

गुवाहाटी (हिंस)। हल्की-सी बरसात के बाद गुवाहाटी के बाहरी क्षेत्र जोराबाट और इसके आसपास के इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 और 6 पर होने वाले जलजमाव की समस्या से इलाके के लोग काफी परेशान हैं। बुधवार की सुबह हुई मूसलाधार बारिश के बाद जोराबाट तीनाली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 और 6 पर जलजमाव हो गया, जिसकी वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। स्थानीय दुकानदार भी जल जमाव की वजह से काफी परेशान हैं। दुकानदारों ने बताया कि फोरलेन निर्माण किए जाने की शुरुआत के दौर से ही जोराबाट और इसके आसपास इलाके में भारी जल जमाव की समस्या उत्पन्न हुई थी। जो आज भी बरकरार है। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अवैध पहाड़ कटाई और नालों के सही तरह से निर्माण नहीं किए जाने की वजह से हल्की-सी बरसात के बाद भी इलाके में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जल जमाव की वजह से जोराबाट के दुकानदार सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। कीचड़ और पानी दुकान के अंदर घुस जाता है, जिसकी वजह से दुकानदारों का हर वर्ष काफी नुकसान हो रहा है। जोराबाट के अलावा हल्की-सी बरसात के बाद जल जमाव की समस्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर 11 माइल, 10 माइल, 9 माइल और 8 माइल इलाके में भी उत्पन्न हो जाती है। जल जमाव की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 6 और 37 पर कई घंटे जाम लगा रहा। जिसकी वजह से कई लोगों की ट्रेनें और फ्लाइट छूट गई। स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान की गुहार लगाई है।

असम के 7 जिले बाढ़ से प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। एक ओर जहां पूरे देश में भयंकर गर्मी का प्रकोप कायम है, वहीं दूसरी ओर पूर्वोत्तर में लगातार हुई बरसात के चलते कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। पिछले दिनों चक्रवाती तूफान रेमल की वजह से मिजोरम, मणिपुर और असम में काफी तबाही देखने को मिली। इस बीच असम में अभी भी सात जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य की दो नदियां तीन स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से अभी भी 7 जिलों के 293 गांव प्रभावित हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार असम की कपिली नदी कामपुर और धरमतुल तथा कुशियारा नदी करीमगंज में खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से प्रभावित सात जिलों में मोरीगांव, होजाई, कछार, हैलाकांदी, नगांव, करीमगंज, कार्बी आंग्लांग पश्चिम शामिल हैं। बाढ़ से कुल 18 राजस्व सर्किल प्रभावित हैं, जिसमें कछार जिले के 4 (उदारबंद, काटिगोरा, सोनाई और सिलचर), हैलाकांदी के 2 (हैलाकांदी और अल्गापुर), होजाई के 3 (डबका, होजाई और लंका), कार्बी आंग्लांग पश्चिम के 1 (डोनकामोकाम), करीमगंज के 3 (पाथारकांदी, नीलामबाजार और करीमगंज), मोरीगांव के 2 (मोरीगांव और मायोंग) और नगांव के 3 (कामपुर, रोहा और नगांव) शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित गांवों की बात करें तो मोरीगांव जिले में 63, होजाई में 9, कछार में 84, हैलाकांदी में 5, नगांव में 107, करीमगंज में 20, कार्बी आंग्लांग पश्चिम जिले में 5 गांव यानी कुल 293 गांव प्रभावित हैं। बाढ़ से कुल 129505 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से 5702.1 हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई है।

भारी मात्रा में गांजा बरामद

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा रेलवे पुलिस ने एक तलाशी अभियान चलाते हुए 38 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। रेलवे पुलिस ने आज बताया है कि रंगापाड़ा रेलवे पुलिस को उस समय बड़ी सफलता हाथ लगी जब रंगापाड़ा रेलवे पुलिस ने रंगिया-मुरकोंगसेलेक पैसेंजर ट्रेन पर तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान ट्रेन से 38 किलो 200 ग्राम प्रतिबंधित गांजा जब्त किया गया। गांजे की कीमत 82 हजार रुपए आंकी गई है। गांजा को तस्कर ने रंगिया-मुरकोंगसेलेक पैसेंजर ट्रेन के दो डिब्बों में सीटों के नीचे छुपा दिया था। हालांकि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। रेलवे पुलिस ने बताया कि चालू वर्ष के जनवरी माह से रंगापाड़ा रेलवे पुलिस ट्रेनों में छापेमारी अभियान चलाते हुए करीब 32 लाख रुपए मूल्य के 3 क्विंटल 28 किलो गांजा जब्त करने में सफल रही है। रेलवे पुलिस इस संबंध में आगे की कार्रवाई कर रही है।

आलमीना सुल्ताना और मेहदी आलम ने नीट परीक्षा में मारी बाजी

जहांन खातून की दूसरी और सबसे छोटी बेटी आलमीना सुल्तान ने हाल ही में घोषित एनईईटी परीक्षा परिणाम में 604 अंक हासिल कर सफलता हासिल की है। प्रतिभाशाली छात्रा अलमीना सुल्ताना की एनईईटी परीक्षा में उपलब्धि के लिए पूरे क्षेत्र में प्रशंसा की जा रही है। वहीं रंगिया के पास ढेपरगांव के टेट शिक्षक अब्दुल हकीम और जहुरा बेगम के सबसे छोटा पुत्र मेहदी आलम जहांगीर ने हाल ही में घोषित नीट परीक्षा परिणाम में 672 अंक हासिल किए है। प्रतिभाशाली छात्र मेहदी आलम जहांगीर की इस सफलता पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

तीन जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिलांतर्गत बिजनी के पानबाड़ी पुलिस स्टेशन के बोलाझाड़ नेपालीपाड़ा में बीती रात की पुलिस की छापेमारी में तीर खेल (एक प्रकार का जुआ) का फंडाफोड़ किया गया। पुलिस की कार्रवाई में तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार जुआरियों में बोलाझाड़ गांव के योग्य छेत्री (48), अनंजीत काफली (28) और नोआपाड़ा गांव के रणदीप बोड़ो शामिल हैं। तीनों जुआरियों ने लंबे समय से पानबाड़ी के अलग-अलग हिस्सों में तीर खेल का धंधा चला रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों जुआरियों के पास से 1 लाख 23 हजार रुपए नकद और तीर के खेल में इस्तेमाल किए गए कई दस्तावेज तथा एक मोबाइल फोन जब्त किया है। बाद में पुलिस तीनों गिरफ्तार जुआरियों को जब्त सामान के साथ पनबाड़ी थाने ले आई।

चेंगा के कराईखैटी बाजार में गैस सिलेंडर फटने से लगी भीषण आग

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के कासुमारा पुलिस थाने के अंतर्गत कराईखैटी बाजार में आज भीषण आग लग गई, जिससे इलाके में हंगामा मच गया। पता चला है कि बाजार में पीयार अली की चाय की दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे आग की तेज लपटें उठीं और पूरी चाय की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग में दुकान के अंदर का सारा सामान जलकर खाक हो गया। आग में दुकान के मालिक प्यार अली की पांच लाख रुपए से अधिक कीमत की संपत्ति जलकर खाक हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गैस सिलेंडर फटने के बाद आग लगी।

100 वर्षीया धर्मपरायण महिला सबिरन नेसा का निधन

बिश्वनाथ (विभास)। बिश्वनाथ के ढोली की 100 वर्षीय धर्मपरायण महिला सबिरन नेसा का कल शाम वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। उन्होंने चाय और पूर्व चाय जनजाति जलहा समाज की महिला प्रकोष्ठ की अन्यतम सलाहकारों के रूप में आमरण तक कार्य निर्वाह किया। उन्हें उनके जीवनकाल के दौरान बिश्वनाथ जिला साहित्य सभा, चाय जनजाति साहित्य सभा, पाभई शाखा साहित्य सभा ने स्वर्गीय सबिरन नेसा को संवर्द्धना (अभिनंदन) ज्ञापन करने के अलावा विभिन्न संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है। दिवंगत सबिरन नेसा असम सरकार द्वारा सम्मानित प्रमुख कलाकार मुर्तुजा अली शेख, गायिका हमीदा खातून, चाय जनजाति जलहा साहित्य सभा के अध्यक्ष और बिश्वनाथ जिला साहित्य सभा के पत्रिका सचिव गुलाम रसूल अली जलहा और शिक्षाविद् रहीमा खातून की मां हैं। उनकी मृत्यु खबर सुनते ही बिश्वनाथ जिला पत्रकार संघ समेत विभिन्न संगठनों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

कोकराझाड़ : जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में ग्यारह लोग घायस

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत नामापाड़ा गाव में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट में करीब 11 लोग घायल हो गए। प्राप्त समाचार के अनुसार बीटीआर के कार्यकारी सदस्य अरूप कुमार के सामने हुई इस मारपीट की घटना ने पूरे इलाके में सनसनी सनसनी फैला दी। सूचना के बाद जिले के एडिशनल एसपी नवनीता शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम पहुंची। मिली जानकारी के अनुसार आज दोपहर लगभग 1 बजे जिले के फकीराग्राम थाना के अंतर्गत नामापाड़ा गाव की बाप्पी घोष नामक व्यक्ति ने किसी एक संप्रदाय को माटी बेचा के लिए तैयारी किया। इसे देखते हुए गांव के लोगों ने आपत्ति जताया। इस बात को लेकर माटी खरीदने वाले संप्रदाय के लोगों ने हाथ में लाठी, दाव, रड लेकर आपत्ति कर रहे स्थानीय लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला समेत 11 लोग घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए फकीराग्राम चिकित्सालय में ले जाया गया। घायलों में परेशस बर्मन (54), निपेन बर्मन (55), विश्वजीत दास (34), सुकुनी बर्मन (42), नवाकांतो बर्मन (28), सुशांतो बर्मन (22), परमेश्वर बर्मन (19), मिंटू दास (37), मिनती बर्मन (30), दिनेश्वरी बर्मन (45) और बबलू बर्मन (37) शामिल हैं। वहीं घायलों में कई की हालत गंभीर बताया जा रहे हैं। घटना स्थल में कोकराझाड़ जिला के एडिशनल एसपी नवनीता शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम मामले की छानबीन कर रही है।

रंगिया : मॉडर्न इंग्लिश स्कूल प्रांगण में लगाए गए पौधे

रंगिया (विभास)। विश्वभर के साथ-साथ पर्यावरण दिवस के मौके पर बुधवार को रंगिया के एनटी रोड के पास स्थित मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में भी पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लैंड रीस्टोरेशन, डिजर्टिफिकेशन एंड ड्राट रेसिलिएंस थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम मौके पर विद्यालय संचालन समिति के चेयरमैन हरीराम क्याल उपस्थित रहे जिन्होंने विद्यालय प्रांगण में एक पौधा लगाकर पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. देव कुमार दत्त कलिता सहित विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों ने विद्यालय प्रांगण में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए।

सालमारा-मालीबाड़ी मुस्लिम चारियाली को जोड़ने वाली जलजोली नदी पर पक्का पुल की मांग हुई तेज

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के सामरिया निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सालमारा, न्यू मालीबारी, पूरन मालीबाड़ी आदि क्षेत्रों में हजारों लोग आज भी एक पूल की अभाव से भारी कष्ट उठाने पड़ते हैं। पुल के अभाव में कष्ट उठाने पड़ रहा और इसके वजह से नुकसान उठाना पड़ता है। निर्वाचन क्षेत्र सालमारा-मालीबाड़ी मुस्लिम चरियाली को जोड़ने वाली जलजोली नदी पर आज भी पक्का पुल नहीं बन पाया है, जिसके कारण बड़े क्षेत्र के लोगों का निर्माण नहीं हो पाया है। तुलुंगा नाव को आना-जाना जारी रखना है। जलजली नदी पर पुल के अभाव में, अधिक से अधिक क्षेत्र के लोग अधीर हो गए हैं क्योंकि कई गांवों के छात्रों, रोगियों आदि को इसके जन्म के बाद से तुलुंगा नौकाओं से यात्रा जारी रखनी पड़ती है। क्षेत्र के लोग सरकार, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित विभाग से कई बार अपील करने के बावजूद आज तक नदी में पुल बनाने के लिए कदम नहीं उठाए गए हैं। जिसके लिए साल के बारह महीने सभी क्षेत्रों के लोगों को अपनी किराए की नावों के साथ खतरनाक वातावरण से गुजरना जारी रखना पड़ता है।स्थानीय लोगों ने सरकार-प्रशासन, संभागीय अधिकारियों और स्थानीय विधायक नंदिता दास से जल्द से जल्द नदी में पक्का पुल बनाने की मांग की है।

संपादकीय

गठबंधन सहारे मोदी सरकार

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंततः उन्होंने एनडीए छोडऩे का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई। बेशक उस दौर की तुलना में अब भाजपा सांसदों की संख्या काफी है, लेकिन स्पष्ट बहुमत से 30 सांसद कम हैं। लिहाजा सहयोगी दलों के समर्थन के बिना मोदी सरकार भी अस्थिर रहेगी। यह जनादेश 2014 और 2019 से बिल्कुल भिन्न है। प्रधानमंत्री मोदी 10 साला कार्यकाल के दौरान लगभग निरंकुश होकर फैसले लेते रहे। प्रधानमंत्री दफ्तर भी उसी तर्ज पर काम करता रहा। अब यह गठबंधन की सरकार होगी, लिहाजा प्रधानमंत्री को समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, कुछ आर्थिक सुधार, एनसीआर सरीखे मुद्दों पर फिलहाल विराम लगाना पड़ेगा अथवा टीडीपी और जद-यू की सहमति सरकार के लिए बाध्यकारी होगी। इस बार विपक्ष भी ताकतवर होगा। उनका नेता प्रतिपक्ष भी होगा, लिहाजा मुद्दों और विधेयकों पर विपक्ष की सहमति को भी टाला नहीं जा सकेगा। इस बार मोदी सरकार के लिए कोई भी संविधान संशोधन बिल पारित कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि बहुमत नहीं है। कांग्रेस के 99 और सपा के 37 सांसद चुनकर लोकसभा में आ रहे हैं। 'इंडिया' की कुल ताकत पर्याप्त है। पीएमओ पर भी गठबंधन के सहयोगियों की 'निगाह' बराबर बनी रहेगी। फिलहाल नायडू और नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर समर्थन और गठबंधन की गारंटी दी है, लेकिन उन दोनों के अतीत का इतिहास संदिग्ध रहा है। उससे उन्होंने सबक भी सीखा होगा! दोनों दल लोकसभा में स्पीकर का पद चाहते हैं। वाजपेयी सरकार के दौरान टीडीपी के बालयोगी स्पीकर होते थे। बहरहाल अभी तो मोदी सरकार को शपथ ग्रहण करनी है। इस बार 23.43 करोड़ मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व को वोट दिए हैं। यकीनन यह विश्व कीर्तिमान है, क्योंकि एक ही व्यक्ति के नाम इतने वोट नहीं डाले गए। फिर भी भाजपा को आत्ममंथन करना है कि जनादेश की दशा और दिशा एकदम कैसे बदल गई? वाराणसी सीट पर 2019 में प्रधानमंत्री मोदी 4 लाख से अधिक वोट से जीते थे, लेकिन इस बार यह फासला 1.5 लाख ही रह गया। ये वोट कम क्यों हुए? क्या दलित, ओबीसी, युवा मतदाता भाजपा से विमुख हुए हैं, लिहाजा समीकरण पलट गए हैं? ऐसे विश्लेषण सामने आए हैं कि ओबीसी, दलित, मुसलमान के अतिरिक्त वोट सपा और कांग्रेस के पक्ष में गए, नतीजतन उप्र के तमाम समीकरण पलट गए और भाजपा पराजित-सी हो गई। बसपा को मात्र 9 फीसदी वोट मिले और वह एक भी सीट जीत नहीं पाई, इससे भी सपा और कांग्रेस को फायदा हुआ। अयोध्या का राम मंदिर चुनावी मुद्दा नहीं बन सका। बंगाल में जनता का भरोसा अब भी 'दीदी' पर ही है। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की 'शिवसेना' और अजित पवार की एनसीपी भाजपा पर बोझ ही साबित हुईं, लिहाजा नुकसान भाजपा को ही हुआ।

> भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंतत: उन्होंने एनडीए छोडऩे का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई।

चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया

गठबंधन बनाम क्षेत्रीय दलों की राजनीति में उभार

प्रमोद भार्गव

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के लिए गठबंध की राजनीति के बीते दस साल में लगभग यही पर्याय रहे हैं। बीते सालों में महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा-शिवसेना, अकाली दल और इनेलो से दषकों से चले आ रहे गठबंधनों का टूटना इन्हीं आषयों के परिणाम थे। लेकिन अब आए चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया।

जिस तरह से शक्ति और सत्ता राजनीति के आधारभूत सिद्धांत माने जाते हैं, उसी तरह राजनीति से यह मान्यता भी जुड़ी है कि राजनीति में वही आगे बढ़ते हैं, जो अवसर का लाभ उठाकर उसे भुनाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी के लिए गठबंध की राजनीति के बीते दस साल में लगभग यही पर्याय रहे हैं। बीते सालों में महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा-शिवसेना, अकाली दल और इनेलो से दषकों से चले आ रहे गठबंधनों का टूटना इन्हीं आषयों के परिणाम थे। लेकिन अब आए चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया। भाजपा स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें पीछें रह गई। हालांकि उसके नेतृत्व वाले राजग गठबंधन के पास 291 सीटें हैं। अतएव राजग बहुमत में है। लेकिन भाजपा खुद 272 सीटें लाई होती तो उसकी पूर्व की तरह ठसक बनी रहेती। बावजूद नरेंद्र मोदी नेहरू के बाद ऐसे अकेले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें मतदाता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने रहने का जनादेश दिया है। यह करिष्मा 62 साल बाद हुआ है। लेकिन अब पेंडुलम की तरह लटकी भाजपा को 16 सीटें जीतने वाले चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी और 16 सीटें जीतने वाली नीतीष कुमार की जदयू से पूरे पांच साल वैसाखियों का सहारा लेना पड़ेगा। ये दोनों दल किंगमेकर की भूमिका में आ गए है। इन और अन्य सहयोगी दलों के साथ भाजपा तीसरी बार केंद्र में सत्तारूढ़ होने जा रही है। शक्ति अर्थ की हो या राजनीतिक सत्ता की, जब वह उम्मीद से ज्यादा हाथ लग जाती है तो महत्वाकांक्षाएं बेलगाम होने लगती हैं। लिहाजा 2014 और 2019 की अप्रत्याषित जीत के बाद भाजपा की जहां महत्वाकांक्षा बढ़ी, वहीं आत्मविष्वास प्रबल हुआ। नतीजतन नरेंद्र-अमित की युगल जोड़ी ने भाजपा को गठबंधन से मुक्ति के पंखों पर सवार कर दिया था। भाजपा चाहने लगी थी कि यदि राजनीतिक पहुंच वाले राज्य में उसकी अकेले दल के रूप में पकड़ मजबूत होगी तो वह कालांतर में गठबंधन की लाचारी से मुक्त होती चली जाएगी। इसी धारणा के चलते उसने अपने सबसे पुराने सहयोगी षिवसेना और अकाली दल से नाता तोड़ लिया था। दरअसल भाजपा की जो राजनीति, संस्कृति और कार्यषैली है, कमोवेष वही षिवसेना की है। दोनों उग्र हिंदुत्व और राश्ट्रीय सांस्कृतिक एकात्मवाद के अनुयायी हैं। लेकिन भाजपा गठबंधन में सहयोगी रहे जिस राज्य में भाजपा को सबसे बड़ा झटका लगा है, उसमें महाराष्ट्र प्रमुख है। 2014 और 2019 में महाराश्ट्र की 48 सीटों में से भाजपा-षिवसेना को 41 सीटें मिली थीं। 2019 के विधानसभा चुनाव में स्पश्ट बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों में बिगड़ गई। इसी के साथ राज्य की राजनीति में बदलाव आ गया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ मिकर सरकार बनाई तो भाजपा ने षिवसेना में विभाजन कर सरकार गिरा दी और एकनाथ षिंदे को मुख्यमंत्री बनवा दिया। यही नहीं एकनाथ षिंदे की ही षिवसेना को असली होने का दर्जा मिल गया। साथ ही षरद पवार की एनसीपी के भी दो टुकड़े कर दिए। भतीजे अजीत पवार ने चाचा की पार्टी छीन ली। हालांकि यह कदम उल्टा पड़ा। उद्धव और षरद पवार ने मराठी अस्मिता को मुद्दा बनाया और मतदाता की सहानुभूती बटोरने में सफल रहे। अब यहां सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतकर कांग्रेस बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। षिवसेना-उद्धव को 9, एनसीपी-षरद को 7 सीटें मिली हैं। भाजपा को दस सीटों पर संतोश करना पड़ा है। चूंकि इस चुनाव में अजीत पवार को मात्र एक सीट मिली है। इससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है।

महाराष्ट्र में इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव के इन नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर भी दिखाई दे सकता है ? अतएव महाराश्ट्र में अब कांग्रेस, एनसीपी-षरद और षिवसेना उद्धव के एक साथ आने से महाविकास अघाड़ी की ताकत बढ़ गई है, जो भाजपा को महंगी पड़ सकती है। आंध्र प्रदेष में भाजपा के सहयोगी तेलगु देषम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने 16 सीटों पर जीत हासिल की है। आंध्र प्रदेष में हुए विधानसभा चुनाव में भी नायडू को सरकार बनाने के लिए स्पश्ट बहुमत मिल गया है। नायडू ने कह भी दिया है कि आंध्रप्रदेष की जनता ने राजग के साथ हमारे गठबंधन पर भरोसा करके हमें बड़ी जीत दिलाई है। हम राजग के साथ है। साफ है, नायडू केंद्र सरकार में अपने सांसदों को मंत्री बनाकर भाजपा को ताकत देते रहेंगे। इधर बिहार में राजग गठबंधन ने बड़ी संख्या में सीटें हासिल करके लालू और तेजस्वी यादव को आईना दिखा दिया है। यहां चालीस सीटों में से 12 जदयू, 12 भाजपा, और पांच लोजपा ने जीती हैं। अतएव कहा जा सकता है कि चुनाव से पहले नीतीष कुमार के जदयू को साथ लाकर बड़े नुकसान से बच गई। बिहार के इन परिणामों से गठबंधन की महिमा को स्थापित किया है। जदयू नेता केसी त्यागी का कहना है कि चुनाव पूर्व राजग से गठबंधन को लेकर हमारी जो प्रतिबद्धताएं हैं, वे बनी रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश और नायडू को अच्छी जीत के लिए बधाई दे दी है। दस साल बाद इस चुनाव में एक बार फिर क्षेत्रीय मुद्दों और क्षेत्रीय दलों का प्रभाव दिखाई दिया है। क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत स्थानीय मुद्दे और जातीयता होती है। देश के सबसे ज्यादा संसदीय 80 सीटों वाले राज्य उत्तर प्रदेश में मायावती, मुलायम सिंह और अखिलेश यादव को जब भी सत्ता का सुख मिला है, उसमें यही राजनीति के गुण शामिल रहे हैं। यही सब दक्षिण भारत के राज्यों में क्षेत्रीय क्षत्रपों का दबदबा देखने में आया। तमिलनाडु में स्टालिन की द्रमुक ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर राज्य की सभी 39 सीटों पर जीत दर्ज करा ली है। आप के साथ मिलकर कांग्रेस ने पंजाब में सभी 10 सीटें इंडिया गठबंधन के खाते में डलवा दी। पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय नेता ममता बनर्जी ने अपने जादू को बनाए रखा है। तृणमूल ने महिला और मुस्लिम मतदाताओं को साधकर 30 सीटों पर सफलता प्राप्त की। जबकि उसकी 2019 में 22 सीटें थीं। भाजपा को यहां 2019 में जीतीं 18 सीटों की तुलना में 2024 में 11 सीटों पर ही संतोश करना पड़ा है। ममता ने बंगाल में इंडिया के साथ कोई गठबंधन भी नहीं किया था। वे अकेली चलीं और उन्होंने भाजपा के सीएए एवं संदेषखाली के मुद्दों को नाकाम कर दिया। तय है, ममता आगे भी क्षेत्रीय क्षत्रप बनी रहेंगी। वे अब सीएए और एनआरसी का भी संसद में अपने सांसदों से मुखर विरोध कराएंगी। भाजपा के चर्चित चेहरे सुरेष गोपी ने केरल में जीत दर्ज कराकर एक बड़ी कामयाबी दर्ज की है। भाजपा स्पष्ट बहुमत में जरूर नहीं है, लेकिन उसने अपनी पार्टी का विस्तार करते हुए ओडिषा में जबरदस्त दस्तक दी है। नवीन पटनायक के 24 साल से चले आ रहे राज को खत्म करके भाजपा ने जता दिया है कि वे पार्टी के देशव्यापी विस्तार के लिए संघर्ष करती रहेंगी। ओडिशा में भाजपा को दोहरी खुशी मिली है। यहां उसने लोकसभा की 21 सीटों में से 19 सीटें जीतकर अप्रत्याशित ढंग से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा दी है। दूसरी तरफ भाजपा को यहां हुए विधानसभा चुनाव में भी स्पष्ट बहुमत मिल गया है। विधानसभा की कुल 147 सीटों में से भाजपा ने 78 सीटों पर विजय हासिल की है।

दृष्टि कोण

जल संकट से जूझता प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा की मनोरम धौलाधार पर्वत श्रेणी तले बसने वाले मेरे जैसे अनेकों लोगों ने पिछले 50 वर्षों में काफी कुछ बदलते देखा है। औद्योगिक विकास की बात को छोड़ भी दें तो पुराने मकानों की जगह कंक्रीट के जंगल उभर आए हैं और जहां पहले कभी फसलें लहलहाती थीं, वहां केवल अब सीमेंट और सरिए के पक्के मकानों की बहुतायत हो गई है और फसलें चौपट हो गई हैं। हिमाचल प्रदेश में साल दर साल स्वच्छ पेयजल आपूर्ति योजनाओं में बढ़ोतरी के बावजूद आज प्रदेश के कई हिस्सों में जल संकट गहराया हुआ है, तो इससे निबटने के लिए सरकार को युद्धस्तर पर राहत के उपाय ढूंढने ही पड़ेंगे। विभाग के अनुसार प्रदेश में कुल 10067 पेयजल परियोजनाएं हैं। इनमें ज्यादातर में जलस्तर घट गया है, वहीं 350 पेयजल परियोजनाएं ऐसी हैं जो लगातार सूख रही हैं। इसके लिए अधिकतर नागरिकों के घरों में वर्षाजल संग्रहण टैंकों का निर्माण करवाना होगा, लेकिन कई पंचायत प्रधान वर्षा जल संग्रहण टैंकों के निर्माण में ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं। इस लेख के लेखक को भी सरकार द्वारा दो बार वर्षा जल संग्रहण टैंक स्वीकृत किया गया, लेकिन उपमंडल बैजनाथ की खड़ानाल पंचायत द्वारा टैंक का निर्माण करवाया ही नहीं गया। क्या कभी इस प्रकार का नकारात्मक रवैय्या रखने वाले जनप्रतिनिधियों पर कोई अनुशासनात्मक दंडात्मक कार्रवाई भी होगी और लाभार्थी को कोई

लाभ मिलेगा? पंचायतों द्वारा स्वीकृत वर्षा जल संग्रहण टैंकों, लेकिन पेंडिंग अथवा अधूरे छोड़े गए और जिनके निर्माण में अनियमितता बरती गई हो, ऐसे मामलों में संबंधित पंचायत प्रतिनिधियों एवं खंड विकास अधिकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। वल्ड बैंक ने तो पेयजल की बर्बादी रोकने के लिए स्वच्छ पानी को व्यर्थ बहाने वालों से टैक्स तक वसूलने की अनुशंसा भी की है और जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन एवं आबंटन की सलाह दी है। हिमाचल प्रदेश में गर्मियों का सीजन कोई ज्यादा लंबा नहीं चलता है, लेकिन यह दो महीने जल शक्ति विभाग के लिए कड़ी परीक्षा वाले होते हैं। जहां कुशल, योग्य और हुनरमंद अधिकारी होते हैं, वहां से पेयजल संकट को लेकर कम शिकायतें सुनने को मिलती हैं, लेकिन जहां कुछ क्षेत्रों के अफसर अनियमित पेयजल की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और फील्ड में जाने की जहमत भी नहीं उठाते हैं। वहां के निवासियों को कई कई दिनों तक व्यवस्था में सुधार होने का इंतजार करना पड़ता है। हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग द्वारा घोषित लक्ष्यों में पहले स्थान पर पेयजल आपूर्ति योजनाओं द्वारा प्रदेशवासियों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करना ही रखा गया है। 15 मई 2023 तक प्रदेश में 41835 हैंडपंप लगाए जा चुके थे। वर्तमान समय में जिस प्रकार से जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है और नित नई कालोनियां विकसित हो रही हैं अथवा गांव के भीतर नए पेयजल कनेक्शन की मांग बढ़ रही है, उसके हिसाब से पुरानी जलापूर्ति लाइनों में कोई सुधार न होने और पुरानी पाइपों से ही पेयजल आपूर्ति की वजह से लोगों को अपर्याप्त पेयजलापूर्ति हो रही है और गर्मियों के इस सीजन में हालात और भी गंभीर और खराब हैं। सरकार की मंशा तो ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध करवाने की होती है, लेकिन चंद अधिकारियों की सुस्त कार्यशैली के चलते फजीहत भी सरकार की ही होती है। यह सही है कि विभाग के ज्यादातर अधिकारी और कर्मचारी पिछले दिनों चुनाव ड्यूटी पर थे। ऐसे में उच्च अधिकारियों को पहले से योजना बनाकर जल संकट का हल निकाल लेना चाहिए था। हमें यह भी देखना होगा कि पारंपरिक जल स्त्रोतों में जल संकुचन, अनियमित पेयजल आपूर्ति, गिरते भूजल जल स्तर, फील्ड स्टाफ की कमी और पानी की खराब गुणवत्ता के चलते हिमाचल के कई हिस्सों में शहरी और ग्रामीण जल आपूर्ति दोनों की स्थिरता में खतरा पैदा कर दिया है और पेयजल को लेकर अब तो दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों से भी संघर्ष की खबरें अखबारों की सुर्खियां बन रही हैं। लाख टके का सवाल है कि करोड़ों की पेयजल योजनाएं बिना मानव श्रम शक्ति के किस प्रकार से अपनी उपयोगिता साबित कर पाएंगी? अब आप 15 मई 2023 की विभागीय मानव श्रम शक्ति का विश्लेषण देखें तो जलशक्ति विभाग के विभिन्न 49 श्रेणियों के लिए स्वीकृत 4173 पदों में से 2586 पद भरे हुए हैं और 1587 पद रिक्त चल रहे हैं। इसलिए विभाग में नई नौकरियों का सृजन जल्द हो, इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है। जल शक्ति विभाग का नारा 'सेव वाटर सेव लाइफ' तभी सार्थक होगा जब लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति संभव होगी। जल शक्ति विभाग ने शिकायतों के निवारण के लिए एक टोल फ्री नंबर 18001808009 भी जारी किया हुआ है। लेकिन शिकायत मिलने के बाद भी शिकायतकर्ता दुखी रहता है तो फिर ऐसे प्रयास भी औचित्यहीन ही माने जाएंगे। जल शक्ति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री मेहनती लीडर हैं, आम पब्लिक की सुनते भी हैं, लेकिन जब तक विभाग के आला अधिकारी अपना कुर्सी मोह छोड़कर फील्ड में उतर कर पसीना नहीं बहाएंगे, तब तक अच्छे रिजल्ट आने की संभावना कम ही है।

कुछ अलग

प्रेम के नए अर्थ

लगता है तेजी से बदलते इस युग में हमें प्रेम को नए अर्थ देने पड़ेंगे। बहुत दिन तक शरीर से शरीर के मिलन और गर्म सांसों की अदला-बदली को हम प्रेम का सुनहरा फ्रेम देते रहे। कवि कर्म को प्रेमिल तितलियों के बहुरंगे पंखों के साथ बांधते रहे। लेकिन फिर जब जीवन के तराजू पर ये रंग-बिरंगे पंख टूट कर तुलने लगे, तो इसमें सूफी काव्य से लेकर छायावाद और रहस्यवाद की ओट लेने का प्रयास भी किया गया। लेकिन आज प्रेम कैसा बेहाल हुआ जाता है। नारी स्वातंत्र्य और सशक्तिकरण के इस डिस्को रूप में घूंघट ओढ़ कर बैठा प्रेम का यह सकुचाता रूप घूंघट ओढ़ बैठा नजर आता है। एक ओर राफेल विमान को उड़ाने के लिए महिला पायलट सामने आ रही हैं और दूसरी ओर दिल्ली के निर्भया कांड और हिमाचल के गुडिया कांड की पुनरावृत्ति हाथरस और बलरामपुर कांड जैसे निर्मम दुष्कर्मी कांडों में हो रही है, जिनमें जाति और धर्म का कटघरावादी राजनीतिकरण चुनाव लडऩे और वोट हथियाने का साधन बन रहा है। लीजिए, वक्त बदलने के साथ-साथ प्रेम करने के पैमाने भी बदल गए। अब 'सजनी वही जो पिया मन भाए' की तरह घटना की जांच-पड़ताल वही जो खोजी को नेता बनाए। चुनाव जितवाए। सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचाए। सीढ़ी के शिखर तक पहुंचता व्यक्ति चिल्लाता है, 'नहीं, मैं अब और अन्याय नहीं होने दूंगा। दूध का दूध और पानी का पानी कर दूंगा।' दूध तो वंशवादी हो ऊंची मंजिलों तक जाएगा, और पानी झुग्गी-झोंपडिय़ों में खैरात की तरह बंटेगा, बशर्ते कि उसमें इतना प्रदूषण न हो जाए कि चिकित्सा विशारद उसे कोरोना फैलाने का कारण ही बताने लगे। आप कहेंगे कि ऐसा असम व्यवहार तो सदियों से होता रहा है। आदमी को जूता बनाने की परम्परा आज की नहीं है। नहीं तो कार्ल मार्क्स दो सदी पहले 'दास कैपिटल' क्यों लिखते? परंतु लिखने के बाद उसके लिए खोखले भाषण देने की परम्परा तो आज से मकबूल हुई। अब तो लोगों को इस प्रक्रिया से इतना इश्क हो गया लगता है कि लोग प्रेम की परिभाषा बदल बैठे। इस रीति-नीति का पालन करो तो हथेली पर सरसों उगाने की कल्पना सच होती लगती है। यही है आज का प्रेम? उसका कोई टकसाली रूप भी नहीं। वक्त बदलने के साथ इसे अपना रंग बदलते देर नहीं लगती। लेकिन इतना ही क्यों? अकबर इलाहाबादी की सुर में कहें, तो यही कहेंगे कि हाकिम को रियाया कि बहुत फिक्र ही नहीं, बहुत इश्क है, लेकिन अपना डिनर खाने के बाद। यह डिनर दुनिया भर में अभी प्रसारित हुआ रिश्वतखोरी का सूचकांक आपको बता सकता है कि इस देश के भद्र जनों के रिश्वतखोरी, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार से इतना प्यार हो गया कि दुनिया के कम से कम छिहत्तर देश पिछले साल अगर इससे कम बेईमान थे, तो इस बरस सतहत्तर देश आगे आ गए। पहले बरखुरदार की शादी के लिए लडक़ी तलाशते हुए इशारा किया जाता था कि आमदन तो ठीक है, ऊपर से कुछ बालाई भी हो जाती है। अब तो परिचय में बालाई आमदन का ब्यौरा पहले दिया जाता है। असल वेतन की खबर कौन पूछता है? अब इश्क उन लोगों से ही होता है, जो जल्द से जल्द अपने आपको साइकिल से बदल कर बीएमडब्ल्यू में तबदील कर लें। शुरू से सुनते आए हैं कि प्रेम की गली अति सांकरी, जिसमें दो न समाए। प्रेमी और प्रेमिका एक रूप हो जाएं। यही है असली प्रेम। जनाब प्रेम की गली तो आज भी सांकरी है, लेकिन इतनी सांकरी भी नहीं कि जिसमें प्रेमी और उसकी आयातित गाड़ी न समा सके। हां, अगर प्रेमी उम्र भर अपनी फटीचर साइकिल पर भूतपूर्व प्रेमिका अर्थात वर्तमान पत्नी के लिए अपने मैले थैले में सब्जी ढोने का भविष्य दिखाए तो भला ऐसे प्रेमी के लिए इस संकरे प्रेम मार्ग पर चलने के लिए जगह कहां।

देश दुनीया से

ग्राम समुदाय की सहभागिता से संभव है पर्यावरण संरक्षण

> विकास के नाम पर पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ ने एक ओर जहां यहां के पारिस्थितिक तंत्र को तोड़ा है वहीं समुदाय और ग्राम पंचायत की सहभागिता से इसे पुन: ठीक करने के प्रयास भी हो रहे हैं। इसमें पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय से स्थानीय स्तर पर काम कर रही गैर सरकारी संस्था उरमूल ट्रस्ट बीकानेर की बड़ी भूमिका है जो भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन के सीएसआर फंड के उपयोग से थार के मरुस्थलीय पर्यावरण के मामले में विशेष पहल कर रहा है। इसमें एक्शन आधारित टिकाऊ और अनुकरणीय पर्यावरण जागरूकता संबंधी गतिविधियां प्रमुख रूप से शामिल है।

दुनिया भर में पर्यावरण एक अहम मुद्दा बनता जा रहा है। यह वह मुद्दा है जिस पर क्रियान्वयन कम और संपूर्ण सृष्टि पर इसका प्रभाव अधिक नजर आ रहा है। थार का पर्यावरण भी अति संवेदनशील है। जरा सी नकारात्मक छेड़छाड़ अथवा सकारात्मक पहल का प्रभाव बड़ा होता है। विकास के संदर्भ में पिछले दो दशकों में यहां बहुत कुछ बदला है। थार में तेल की धार और क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने की अपार संभावनाओं के कारण पर्यावरण का मुद्दा अंतिम पायदान पर चला गया है, वर्ना तो पीढ़ियों से यहां की आजीविका, जीवनशैली, सामाजिक परंपराओं और सांस्कृतिक पर्वों में पर्यावरण को प्रमुखता से देखा जाता रहा है। यहां के पारंपरिक जल स्रोतों, जैसलमेर की खड़ीनों (पारंपरिक खेती का एक स्वरूप) और बेरियों (वर्षा जल को संरक्षित करने का एक माध्यम) के इर्द गिर्द विकसित किया गया इकोसिस्टम पूरे विश्व में अनूठा ही नहीं बल्कि अनुकरणीय भी रहा है। विकास के नाम पर पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ ने एक ओर जहां यहां के पारिस्थितिक तंत्र को तोड़ा है वहीं समुदाय और ग्राम पंचायत की सहभागिता से इसे पुनः ठीक करने के प्रयास भी हो रहे हैं। इसमें पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय से स्थानीय स्तर पर काम कर रही गैर सरकारी संस्था उरमूल ट्रस्ट बीकानेर की बड़ी भूमिका है जो भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन के सीएसआर फंड के उपयोग से थार के मरुस्थलीय पर्यावरण के मामले में विशेष पहल कर रहा है। इसमें एक्शन आधारित टिकाऊ और अनुकरणीय पर्यावरण जागरूकता संबंधी गतिविधियां प्रमुख रूप से शामिल है। दरअसल हमारे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में भले ही बुनियादी ढ़ाचे विकसित न हों, लेकिन यहां के लोगों के अनुभव अवैज्ञानिक और अतार्किक नहीं होते हैं। उनमें विकास के प्रति जागरूकता दिखती है। उनकी आवाज सीमित जरूरतों और टिकाऊ पर्यावरण से संदर्भित होती है। ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं की कमी के बावजूद सहभागिता के माध्यम से अपने स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं। स्वच्छता अभियान समुदाय आधारित वेस्ट मैनेजमेंट का एक अनूठा मॉडल ग्राम पंचायत एवं समुदाय की सहभागिता से सफल हो रहा है। जैसलमेर के अलग अलग पंचायतों स्थित गाँव मोकला, ब्रह्मसर, जेठवाई और लानेला का सूखा व गीला कचरा घर-घर से एकत्रित किया जाता है तथा डंपिंग सेंटर जैसलमेर में पहुंचाने का काम नियमित रूप से किया जा रहा है। इस संबंध में उरमूल ट्रस्ट के सचिव रमेश सारण बताते हैं कि "ग्राम पंचायत व ग्रामीण समुदाय की प्रबंधन व्यवस्था में संचालित यह कार्यक्रम पूर्णतः सतत और टिकाऊ है। संस्थान की तरफ से इन गाँव में वेस्ट कलेक्शन के लिए ई-रिक्शा उपलब्ध कराया गया है। परियोजना समाप्ति के बाद यह संसाधन ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दिए जाएंगे जो ग्राम स्वच्छता अभियान को नई दिशा प्रदान करेंगे।" ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सरकारी वैकल्पिक व्यवस्थाओं के बावजूद सत्तर से अस्सी प्रतिशत पेयजल पूर्ति समुदाय द्वारा निर्मित पारंपरिक जल स्रोतों से होती है। यही पारंपरिक जल स्रोत यहां

की जैव विविधता, पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख केंद्र हैं। समुदाय की सहभागिता से तीन गांवों में चार तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया है। इनमें मोकला और ब्रह्मसर में एक एक और जेठवाई में दो तालाबों का निर्माण किया गया है। इन तालाबों की खुदाई का कार्य महात्मा गांधी नरेगा से होता है लेकिन कैचमेंट क्षेत्र (जलग्रहण क्षेत्र) को ठीक करने का नियोजन नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार इन तालाबों में पानी की आवक क्षमता बढ़ाने के लिए कैचमेंट को ठीक करने, आवक चैनलों को दुरुस्त करने की जरूरत है। जैसलमेर के गांव जैठवाई, भादासर व मोकला में चार तालाबों के कैचमेंट क्षेत्र का समतलीकरण और आवक चैनलों की सफाई का कार्य होने से जल स्रोतों में पानी भराव की क्षमता डेढ़ गुना बढ़ गई है। इस संबंध में जेठवाई गांव के मोहन कुमार और मोकला के दुलतसिंह बताते हैं कि "पहले इन तालाबों में केवल सात से आठ माह पानी रहता था। अब हमें पशुओं व जंगली जीव-जंतुओं के लिए सालों भर पानी उपलब्ध होता है। यह काम होने से हम जल स्वावलंबी हो गए हैं।" वह बताते हैं कि पहले हमें चार महीने बाहर से पानी के टैंकर मंगवाने पड़ते थे। इससे एक परिवार का प्रतिमाह दो से तीन हजार रु। पानी पर ही खर्च हो जाता था, जो अब बचने लगा है। गांव के करीब 11 गरीब परिवारों के घरों में पेयजल क्षमता बढ़ाने के लिए टांकों (अंडरग्राउंड टैंक) का निर्माण किया गया है और उन्हें छत से जोड़ा गया है ताकि वर्षा का पानी सीधे वहां पहुंच सके। पारंपरिक खड़ीन के माध्यम से प्राकृतिक खेती जैसलमेर की खास पहचान है। इसमें दूर ढलानी मगरों (चट्टानी भू-भाग) से बहकर आए पानी को मिट्टी का बांध बनाकर रोका जाता है और फिर जब वह पानी ज़मीन के अंदर चली जाती है तो उस पर खेती का काम शुरू किया जाता है। रबी सीजन में इस प्राकृतिक माध्यम से गेहूं और चना की फसल उगाने की परंपरा उस जमाने से ली जा रही है जब हरित क्रांति का जन्म भी नहीं हुआ था और देश में खाद्यान्न का संकट था। इसमें सामूहिक खेती को प्राथमिकता दी जाती रही है। जैसलमेर के ब्रह्मसर व रूपसी गांव के लोगों ने बताया कि लगभग 100 परिवारों की दो हजार बीघा जमीन पारंपरिक खड़ीन के माध्यम से होती थी लेकिन जीर्णोद्धार नहीं होने से इसमें पानी कम रुकता था जिससे पैदावार घट गई। जिसके बाद कार्य के अनुसार मिट्टी के बांध की हाइट बढ़ाने का कार्य हुआ। खड़ीन के माध्यम से खेती करने वाले किसान प्रकाष राम बरमसर ने बताया कि वर्षों से पानी के साथ बह कर आई मिट्टी जमा होने और मिट्टी के बांध की हाइट कम होने से पानी कम रुकता था। बांध की हाइट बढ़ाने से 100 परिवारों के पिछले साल रबी की फसल अच्छी हुई है। खड़ीनें खेती के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण का पमुख केंद्र भी रही है। देसी जीव-जंतुओं व पक्षियों के अतिरिक्त साइबेरियन क्रेन एवं प्रवासी पक्षी इन खड़ीनों में डेरा डालते हैं तथा यहां के इक्को सिस्टम को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त जन-वन एवं विद्यालयों में किचन गार्डन न केवल नवीन गतिविधियां है बल्कि आज के संदर्भ में जरूरी भी है जिनको बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

आप का नजरीया

वासना और उपासना

यह सच है कि पैदा होना, बड़े होना, बूढ़े होना और मर जाना हमारी नियति है। सभी जीवित प्राणियों में नर और मादा के मिलन से नई पीढ़ी का जन्म होता है। इसे बनाए रखने के लिए प्रकृति ने नर और मादा में पारस्परिक आकर्षण पैदा किया और यह भी सुनिश्चित किया कि दोनों एक-दूसरे के बिना खुद को अधूरा महसूस करें। जब प्रकृति का प्रावधान ऐसा है कि नर और मादा एक-दूसरे पर निर्भर हैं तो यह सोचना बेमानी है कि जीवन में वासना नहीं होगी। वासना के कई रूप हैं। इच्छाएं, लालसाएं, लालच, ईर्ष्या, क्रोध, डर, उदासी, पछतावा आदि भावनाएं वासना का ही रूप हैं, परंतु वासना का सर्वाधिक मुखर रूप नर और मादा का मिलन है, सहवास है। पशु-पक्षियों में नर और मादा के मिलन का समय नियत है। यही नहीं, पशु-पक्षियों में सहवास के लिए स्वीकृति का अधिकार मादा के पास है, यानी, मादा की सहमति के बिना सहवास संभव नहीं है। यही कारण है कि पशुओं की बहुत सी प्रजातियों में नर आपस में युद्ध करते हैं और विजेता नर अपने समूह की सभी मादाओं का स्वामी बन जाता है। मजेदार बात यह है कि पशुओं की किसी भी प्रजाति में यह मुकाबला या युद्ध मादाओं में कभी नहीं होता। जो नर विजेता रहता है, वह सभी मादाओं का स्वामी हो जाता है और सभी मादाएं उस नर को सहर्ष स्वीकार कर लेती हैं, बिना किसी संकोच के और बिना किसी ईर्ष्या के। पशु-पक्षियों में सहवास का एक निश्चित मौसम होता है और एक सामान्य तौर से निश्चित उम्र होती है। मानव जाति पर ऐसा कोई बंधन नहीं है। एक महिला और पुरुष जब भी चाहें, जिसे भी चाहें, जिस उम्र में भी चाहें, दोनों में सहमति हो तो वे सहवास कर सकते हैं। उन पर कोई और बंधन नहीं है। मानव जाति पर सहवास के समय को लेकर, मौसम को लेकर, यहां तक कि स्वीकृति को लेकर भी कोई बंधन नहीं है। यही कारण है कि मानव जाति में छोटे बच्चों का शारीरिक शोषण और महिलाओं के साथ बलात्कार जैसी दुभाग्यपूर्ण और दुखद घटनाओं का जन्म हुआ। मानव जाति में एक और अंतर यह भी है कि मादा सिर्फ मादा ही नहीं है, महिला भी है, औरत भी है और उसका अपना दिल और दिमाग भी है। वह स्वयं भी किसी पुरुष के प्रति आकर्षित हो सकती है और मिलन के लिए पहल भी कर सकती है। देश, काल और समाज की रीतियों के मुताबिक किसी पुरुष की कई पत्नियां या प्रेमिकाएं हो सकती हैं या किसी महिला के कई पति या प्रेमी हो सकते हैं। प्रकृति का नियम है कि विपरीत लिंग का आकर्षण, सहवास का सुख, परिवार में रहने से सुरक्षा का अहसास और परिवार बढ़ाने की इच्छा जैसे कई कारण हैं जो मानव जाति को सहवास के लिए प्रेरित करते हैं। लब्बोलुबाब यह कि सहवास इस सृष्टि का एक अनिवार्य 'कर्म' है और इससे मुंह चुराने का कोई कारण नहीं है। भारतवर्ष में एक हजार साल की लंबी गुलामी के समय महिलाओं पर हुए अत्याचार के कारण महिलाओं को पर्दे में रखने की प्रथा अस्तित्व में आई, लेकिन उसका दुष्परिणाम यह भी हुआ कि 'सभ्य' कहे जाने वाले समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और उनके अधिकारों पर अंकुश लगा, वे आर्थिक रूप से परतंत्र हो गईं, पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाएं और ज्यादा दब्बू होती चली गईं और अंततः वे लगभग हर मामले में पुरुषों पर निर्भर हो गईं।

नीट में गड़बड़ियों के आरोपों की गंभीरता से जांच कराए केंद्र : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) के परिणाम में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से इस मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग की है। गहलोत ने नीट परीक्षा के परिणाम में गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर सरकार से सवाल किया है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में लिखा कि पहले नीट परीक्षा और अब इसके रिजल्ट को लेकर अभ्यर्थियों ने गड़बड़ी की आशंकाएं जताई है। रिजल्ट में आसपास रोल नंबर वाले अभ्यर्थियों के टॉप करने समेत ऐसे कई पहलू सामने आ रहे हैं, जिससे परीक्षा में गड़बड़ी की आशंकाओं को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि यह लाखों बच्चों के भविष्य एवं मेडिकल प्रोफेशन

की क्रेडिबिलिटी का सवाल है इसलिए केंद्र सरकार और एनटीए इसे गंभीरता से लेकर जांच करे एवं सभी के साथ न्याय सुनिश्चित करे। प्रदेश की लोकसभा सीटों पर जीतकर आए कांग्रेस के तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने गहलोत के घर जाकर उनसे मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ये जानकारी देते हुए लिखा कि आज निवास पर झुंझुनू से नवनिर्वाचित सांसद बृजेन्द्र ओला, दौसा से नवनिर्वाचित सांसद मुरारी लाल मीणा एवं डूंगरपुर-बांसवाड़ा से नवनिर्वाचित युवा सांसद राजकुमार रौत से मुलाकात कर जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि पंजाब में प्रचार के दौरान स्लिप डिस्क की समस्या होने के बाद से गहलोत को डॉक्टर ने आराम की सलाह दी है। इसके बाद से अपने निवास पर रेस्ट पर हैं।

पंजाब के तीन लोगों की मार्ग दुर्घटना में मौत

फतेहपुर (हिंस)। जनपद में शुक्रवार की दोपहर में हुए मार्ग दुर्घटना में कार सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पंजाब प्रांत के अमृतसर जिले के रहने वालों के रूप में हुई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को देते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक, कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही तेज रफ्तार कार जैसे ही खागा कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-दो स्थित भोगलपुर मोड़ के पास अनियंत्रित होकर सौ मीटर की खंती में जाकर पलट गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। यह देख आसपास से गुजर रहे राहगीर दौड़कर पास पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से बचाव कार्य शुरू करते हुए तीनों सवारों को कार से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि कार सवार तीनों मृतक व्यक्तियों की पहचान जसवीर सिंह (50), हरचरन प्रीत (32) व गुरप्रीत सिंह (30) निवासीगण मतेवाड़ा, थाना सुल्तानगढ़ जनपद अमृतसर, पंजाब के रूप में हुई है। जसवीर के नाम पर एक लाइसेंसी रिवाल्वर कार से मिला है। तीन एंड्रॉइड मोबाइल भी कार से मिले हैं। फोन के रिसीव कॉल के नंबरों से संपर्क करने पर पता चला कि तीनों कार सवार अमृतसर से पश्चिम बंगाल के कोलकाता जा रहे थे। इस बीच सड़क हादसे के शिकार हो गए। क्षेत्राधिकारी बृजमोहन राय ने बताया कि तेज रफ्तार अनियंत्रित कार के पलटने से हादसा हुआ है। घटना में कार सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अहंकार और घमंड बना भाजपा की हार का कारण : शिवपाल

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उप्र में लोकसभा चुनाव नतीजों ने काफी निराश किया है। यहां समाजवादी पार्टी (सपा) चुनाव परिणाम के बाद सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। नतीजों को लेकर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव आज (शुक्रवार) को भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अहंकार करने वालों की हार होती है। शिवपाल ने लखनऊ में अयोध्या सीट पर भाजपा की हार को लेकर कहा कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम थे।

पार्टी कार्यालय पर फूटे पटाखे, एक दूसरे को मिठाई खिलाकर किया खुशी का इजहार

गोरखपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से राजग संसदीय दल का पुन: नेता चुने जाने के बाद भाजपा के नेताओं में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मोदी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में भाजपा नेता बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कार्यालय इकट्ठा हुए और पटाखा फोड़कर तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। गोरखपुर के जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह की अगुवाई में रानीडीहा स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर क्षेत्रीय व जिले के भाजपा नेताओं ने ढोल, नगाड़ा और गाजे बाजे के साथ जमकर नारेबाजी की। भाजपा, मोदी, योगी जिंदाबाद के उदघोष से क्षेत्रीय कार्यालय परिसर गूंज उठा। खुशी से लवरेज भाजपा नेताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष

युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि देश के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी की अगुवाई में राजग की लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने जा रही है। मोदी सरकार में देश विकसित और सशक्त होगा। अंत्योदय और गरीब कल्याण को समर्पित मोदी सरकार में देश और भी समृद्धशाली व शक्तिशाली बनेगा। इस मौके पर क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष पुष्पदत्त जैन, पूर्व महानगर अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी डॉ. बच्चा पांडेय नवीन, मीडिया संपर्क विभाग के क्षेत्रीय संयोजक सिद्धार्थ शंकर पांडेय, सोमेश्वर पांडेय, शेषमणि त्रिपाठी, मनोज कुमार शुक्ल, संजय सिंह, चंद्रबाला श्रीवास्तव, जगदीश चौरसिया, छोटेलाल मौर्य, हरिकेश राम त्रिपाठी, डा. आरडी सिंह, राजाराम कन्नौजिया, सबल सिंह पालीवाल, ब्रह्मानन्द शुक्ल, शत्रुघ्न कसौधन, मंजू सिंह, डॉ. सदानन्द शर्मा, रामानन्द यादव, नरेंद्र सिंह, केएम मझवार, इंद्रकुमार निगम, जनार्दन श्रीवास्तव, चंचला शुक्ला, विनोद शर्मा, गणेश साहनी, राकेश चौधरी, धीरज त्रिपाठी, धरणीधर राम त्रिपाठी, दिनेश सिंह, राम प्रकाश चौरसिया, अश्वनी सिंह लकी समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व योग दिवस का सूर्य नमस्कार से शंखनाद

सहरसा (हिंस)। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग को लेकर तैयारी सुरू कर दी गई। इस कड़ी में बाबाजी लक्ष्मीनाथ योगपीठ ट्रस्ट द्वारा साधना स्थल खजुरी में योग गुरु प्रभाकर के सानिध्य में शुक्रवार को योग शिविर के बाद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में भी बच्चों को जानकारी दी गई। आचार्य प्रभाकर ने कहा कि आज 100 में 70 व्यक्ति से ज्यादा की संख्या में लोग अस्वस्थ व बीमार हैं। अनेक प्रकार का स्वास्थ्य प्रद दवाई भी सुबह-शाम सेवन कर रहे हैं, जिससे थोड़ा आराम मिलता है। वही अत्यधिक धन का ह्रास भी हो रहा है। जबकि अल्प समय के नियमित योगाभ्यास करने मात्र से व्यक्ति स्वस्थ और आरोगी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। आवश्यकता है योग्य गुरु के सानिध्य में प्रशिक्षण लेकर स्वयं अभ्यास करने का। योग बीमारी को ठीक करने के लिए नहीं बना है योग के नियमित अभ्यास करने से बीमारी स्वत: ठीक हो जाता है। अधिकांश लोग गैस कब्ज, ब्लड प्रेशर, मधुमेह, हार्ट, जोड़ों के दर्द कमर व पीठ के दर्द से परेशान हैं वैसे तो देर रात्रि का भोजन परित्याग कर देना चाहिए खासकर गर्मी के दिन में तो देर रात के भोजन से अच्छा है। जल पीकर सो जाना, बीमार व्यक्ति अपने घर में ही सुपाच्य भोजन करें। तली भूनी, अत्यधिक तेल वाले चीज का सेवन न करें। सभी रोग एक सप्ताह योग के अभ्यास करने मात्र से अपने आप ठीक हो जाता है। उन्होंने कहा कि योगाभ्यास में पवनमुक्त आसन विधिवत करने मात्र से शरीर में नाना प्रकार के रोग जो पनपते हैं वो ठीक हो जाता है। साथ ही पुराने रोग भी ठीक हो जाते हैं। केवल क्रॉनिक डिजीज के रोगी योग प्रशिक्षक व चिकित्सक से परामर्श लेकर ही अभ्यास करें। आज के योगाभ्यास सत्र में राजनंदिनी, जयभद्र सुभद्र, नरेश मिश्र, सच्चिदानंद मिश्र, सदाशिव, बम बम, दुखाराम सहित अन्य ने भाग लिए।

इक्कीस प्रशासनिक अधिकारी शनिवार को करेंगे 63 ग्राम पंचायत का भ्रमण

जैसलमेर (हिंस)। भीषण गर्मी में ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति मौसमी बिमारी पशुओं में कर्रा रोग की स्थिति का जायजा लेने के लिए शनिवार को 21 प्रशासनिक अधिकारी 63 ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेंगे। इा दौरान अधिकारी लोगों से उनको मिल रही सरकारी सेवाओं का फीडबैक लेंगे। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्य कार्यकारी अधिकारी भागीरथ बिश्नोई ग्राम पंचायत लाठी भादरिया व धोलिया, अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुन्नीराम बगड़िया ग्राम पंचायत मूलसागर, कीता, भू उपखंड अधिकारी पोकरण प्रभजोत सिंह गिल लवां डिडाणिया मोरानी, तहसीलदार जैसलमेर महावीर प्रसाद सेलू ताड़ाना, जवाहर नगर, शास्त्रीनगर तहसीलदार पोकरण परबाराम सांकड़ा, भैंसड़ा, लूणाकला तहसीलदार फतेहगढ़ मोहित आशिया रामा सीतोड़ाई व उत्तम नगर ग्राम पंचायत के भ्रमण पर रहेंगे। इसी प्रकार तहसीलदार सम गजानंद मीणा ग्राम पंचायत फलेड़ी, बिदा व कोलूतला तहसीलदार भणियाणा गुणेशाराम ग्राम पंचायत बांधेवा, कनोई मेकूबा तहसीलदार फलसूंड ग्राम पंचायत दांतल, भीखोड़ाई जूनी स्वामी जी की ढाणी नायाब तहसीलदार तन सिंह ग्राम पंचायत बांकलसर मंडाऊ सदराऊ नायब तहसीलदार महेंद्र खत्री अडबाला, चेलक छंतागढ़ नायब तहसीलदार सम जगदीश शर्मा दब, हटार, फूलिया नायब तहसीलदार पोकरण भीखाराम गोमट एकां उजला, नायब तहसीलदार भणियाणा हजाराराम खुमानसर, झाबरा बागकलां नायब तहसीलदार माधव सिंह रतनू भणियाणा बड़ली नाथूसर सरदार सिंह की ढाणी का भ्रमण करेंगे। आदेश के अनुसार नायब तहसीलदार सांकड़ा भीखदान पन्नासर, तेलीवाड़ा, खींवसर, विकास अधिकारी जैसलमेर अजय सिंह नाथावत ग्राम पंचायत चांधन, हमीरा, छोड़ विकास अधिकारी सम किसन सिंह सलखा, दबड़ी, लूणार विकास अधिकारी सांकड़ा नरपत सिंह माधोपुरा नेडान, राजगढ़ विकास अधिकारी मोहनगढ़ सुखराम बिश्नोई फूलासर, बाहला शेखासर तथा विकास अधिकारी नाचना जितेंद्र सिंह सान्दू ग्राम पंचायत चिन्नू टावरीवाला भारेवाला का शनिवार को भ्रमण करेंगे।

मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में जश्न

मीरजापुर (हिंस)। बरौंधा कचार स्थित भाजपा कार्यालय पर तीसरी बार बनने जा रही मोदी सरकार के जश्न में कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हर्षोल्लास पूर्वक एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर उत्सव मनाया। भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी मोदी के नेतृत्व में लोकसभा का चुनाव लड़ा और जनता के आशीर्वाद से अब नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश की कमान संभालेंगे। 2047 तक भारत को राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री जनता के सभी सपनों को साकार करेंगे। भाजपा के संकल्प को भी जल्द धरातल पर उतारेंगे। इस अवसर पर मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, जिला महामंत्री दिनेश वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दुबे आदि थे।

অসম লোকসেৱা আয়োগ

ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION

Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
Apply Online: https://apscrecruitment.in
Technical Support email: cceapsc@gmail.com Phone : 1800-572-23-43
*****

ADVT. NO. 12/2024

No. 53PSC/DR-21/1/2023-2024

Assam Public Service Commission invites application from Indian Citizens as defined in Articles 5 to 8 of the Constitution of India for the under-mentioned posts under Assam Government in the scale of pay as indicated below and carrying usual allowances as admissible under Rules of the Govt. of Assam.

(1) Name of thePost :- **Assistant Accounts Officer (AAO) (Class-III post) of Assam Electricity Grid Corporation Limited (AEGCL)**
(2) No of posts :- **61 (Seventy - one) Nos.**
(3) Reservation of posts :-

Name of the Service / Post	Open Category		Reserved for OBC/ MOBC		Reserved for TT & ADIVASI		Reserved for SC		Reserved for STP		Reserved for STH		Grand Total		Post reserved for PwBD & Type of Disability	Total Post reserved for Ex-Service Man
	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW	Total	RFW		
Assistant Accounts Officer (AAO) (Class-III post) of Assam Electricity Grid Corporation Limited (AEGCL)	31	9	14	4	3	1	4	1	6	2	3	1	61	18	VI = 1 HI = 1 OH = 1 3	1

PwBD - Persons with Benchmark Disabilities; RFW - Reserved for Women.

****Reservation as per draft advertisement received from Government against total numbers of posts in the cadre.***

NB : The Ex-Servicemen must upload Ex-Servicemen Identity Card issued by Zila Sainik Welfare Office of the state of Assam and Discharge Book while applying for the reserved post.

4. Scale of Pay : - Pay scale + Grade Pay + Other allowances as admissible to the Assam State Government employees from time to time (per month).

Pay Scale	Grade Pay	Pay Band
Rs. 25,000/- to 92,000/-	Rs. 11,000/-	Pay Band - 3

BEFORE FILLING UP THE APPLICATION FORM, CANDIDATES MUST NOTE THAT THE REQUIRED CERTIFICATES RELATING TO AGE, CASTE AND MINIMUM EDUCATIONAL QUALIFICATION WILL BE FETCHED FROM THE OTR PROFILE. CANDIDATES ARE TO UPDATE THE OTR PROFILE IF ANY ADDITIONAL DOCUMENTS ARE TO BE UPLOADED IN SUPPORT OF THE ADVERTISED POST.

5. Eligibility Criteria :-

The candidate must be an Indian Citizen as defined in Article 5 to 8 of the Constitution of India and must be a permanent resident of Assam and should have proficiency in Assamese / Local language.

As a domicile proof of the candidate, he/she must upload a copy of the valid Permanent Resident Certificate issued in Assam for educational purpose/Employment Exchange Registration Certificate will be treated as proof of residency.

(Upload necessary documents)

6. Education Qualification :-

i. Bachelor Degree in Arts, Science or Commerce from a recognized University with minimum 55% marks or its equivalent in B.Com in aggregate or 55% marks in Honors/Major subject (B.Com) or minimum 55% aggregate marks or its equivalent for Arts or Science graduate having Mathematics or Statistics as one of the subject or 55% marks or its equivalent in Mathematics/Statistics as Honors (BA/ B.Sc).

ii. For departmental candidates and those belonging to the Scheduled Caste/ Scheduled Tribe minimum qualification marks in a bachelor degree is 50%.

iii. Possess proficiency in computer application and having diploma certificate in computer application with minimum duration of 3 (three) months.

(Upload relevant all semester/year mark sheet reflecting the subjects and the final pass certificate)

7. Age:

The candidates should not be less than 21 years of age and not more than **38** years of age as on **01/01/2024.** The upper age limit is relaxable :

(i) By 5 years for SC/ST candidates, i.e. upto 43 years.
(ii) By 3 years for OBC/MOBC candidates i.e. upto 41 years as per Govt. Notification No. ABP. 6/2016/9 dated Dispur the 25th April 2018.
(iii) For **Ex-Servicemen, the maximum age shall be 50 (Fifty) years as on 01/01/2024 for Unreserved category, relaxable further by 3 (Three) years for OBC/MOBC candidates and 5 (Five) years for SC/ST candidates as per Govt. Notification No. ABP. 48/2009/84 Dated 19th December, 2022.**
(iv) Persons with benchmark disability (PWBD) 10 years irrespective of SC/ST/OBC and UR Category of candidates as per Govt. Memorandum No. ABP 180/2017/105 dated Dispur the 7th January, 2019.

The age limit of the candidates will be calculated on the basis of the **Class-X/Class-XII Examination Admit Card/Pass Certificate/Marksheet** issued by a recognized Central/State Board/ Council **where Age/Date of Birth (DOB) is clearly** reflected.

No other document shall be accepted in lieu of the above mentioned documents for age proof.

8. For PWBD Category Candidate:

To be eligible for consideration under PwBD category, a candidate must possess Benchmark Disability and must produce necessary certificate issued by the competent authority.

(Upload relevant documents)

9. For Government Employees of the state of Assam:

Candidates, already in regular Government service, whether in permanent or temporary capacity other than casual/ad-hoc/daily wages/hourly paid/contract basis, in order to prove their employment, must upload a certificate against the applied post, issued by the competent authority under which he/she is working.

However, candidates, seeking pay protection, continuation in service etc., must upload **'NO OBJECTION CERTIFICATE (NOC)'** against the applied post, issued by the competent authority under which he/she is working.

(Upload relevant documents)

10. The Small Family Norms :-

As per Govt. notification No. ABP.69/2019/17, dated Dispur, the 6th November/2019, candidate have to submit a declaration regarding "The Small Family Norms" in Form - A at the time of applying for the post.

(Upload necessary documents)

The advertisement has been issued as **per draft advertisement furnished by the Government.**

➢ **(i) STARTING DATE FOR ONLINE APPLICATION : - 15-06-2024**
(ii) CLOSING DATE FOR ONLINE APPLICATION :- 14-07-2024
(iii) LAST DATE FOR PAYMENT OF APPLICATION FEE : - 16-07-2024

NB : For detail advertisement please visit APSC's official website www.apsc.nic.in (Recruitment Advertisement link) .

Sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 1329 / 24 8-Jun-24

अदाणी सोलर कीवा पीवीईएल के पीवी मॉड्यूल रिलाएबिलिटी स्कोरकार्ड में लगातार सातवें साल टॉप परफॉर्मर

अहमदाबाद।
अदाणी समूह की सोलर फोटोवोल्टाइक (पीवी) सेल बनाने वाली कंपनी अदाणी सोलर ने कहा कि कीवा पीवीईएल के पीवी मॉड्यूल रिलाएबिलिटी स्कोरकार्ड के 10वें एडिशन में उसे टॉप परफॉर्मर का सम्मान दिया गया है। अदाणी सोलर अकेली भारतीय कंपनी है जो लगातार सातवें साल टॉप परफॉर्मर बनी है। कीवा पीवीईएल अग्रणी स्वतंत्र प्रयोगशाला है जो सोलर इंडस्ट्री को सेवा प्रदान करती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उनके वार्षिक स्कोरकार्ड में उन विनिर्माताओं को शामिल किया जाता है जिनके पीवी मॉड्यूल स्वतंत्र जांच में उल्लेखनीय गुणवत्ता वाले पाये जाते हैं। अदाणी सोलर के सीईओ अनिल अदाणी ने कहा, हम एक बार फिर टॉप परफॉर्मर बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह सतत मान्यता उत्कृष्टता के लिए हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाती है। भारत में निर्मित हमारे सोलर पीवी मॉड्यूल आधुनिक प्रौद्योगिकी, प्रीमियम कंपोनेंट और सुपीरियर डिजाइन से लैस हैं। इसकी विश्वसनीयता और इसका प्रदर्शन अनन्य है।

गुप्ता ने सभी हितधारकों को उनके लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा, इस सेक्टर में सतत आधुनिकीकरण और अदाणी सोलर के लिए विशिष्ट स्थान के लिए हम इस इंडस्ट्री के उच्चतम मानकों और सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता नियंत्रण का पालन करते हैं। कठिन परीक्षण के जरिये पीवी मॉड्यूल की गुणवत्ता और विश्वसनीयता की जांच के लिए कीवा पीवीईएल का प्रोडक्ट क्वालिफिकेशन प्रोग्राम (पीओपी) सबसे वृहद जांच है। अदाणी सोलर के पीवी मॉड्यूल इन जांचों में सफलतापूर्वक खरे उतरे।

उनकी विश्वसनीयता और प्रदर्शन उद्योग में अग्रणी स्तर पर पाई गई। कीवा पीवीईएल के बिक्री एवं विपणन के उपाध्यक्ष ट्रिस्टन एरिऑन-लोरिको ने कहा, पीवी मॉड्यूल रिलाएबिलिटी स्कोरकार्ड में लगातार सातवें साल टॉप परफॉर्मर का सम्मान पाने के लिए अदाणी सोलर की टीम को बधाई। अदाणी सोलर के हमारी रिपोर्ट में एक बार फिर शामिल होने की हमें खुशी है। हम निकट भविष्य में कंपनी को सतत विकास की राह पर बढ़ते देखने की उम्मीद करते हैं। अदाणी सोलर वर्टिकली इंटीग्रेटेड सोलर पीवी बनाने वाली देश की पहली और एकमात्र कंपनी है।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में हीट वेव, भीषण गर्मी से केले की फसल को नुकसान

पटना। बिहार के हाजीपुर और कोसी क्षेत्र की पहचान केले के उत्पादक के रूप में होती है। इन इलाकों में लंबी और बौनी दोनों प्रजातियों के केले की खेती की जाती है। हाल के वर्षों में हीट वेव और भीषण गर्मी ने केले की फसल को नुकसान पहुंचाया है। वैज्ञानिकों का भी मानना है कि कई वर्षों से हीट वेव (लू) की साल दर साल बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता, विशेष रूप से 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान, केले की खेती के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा कर रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अत्यधिक तापमान केले की वृद्धि और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, पूसा, समस्तीपुर के विभागाध्यक्ष और अखिल भारतीय फल अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रोफेसर डॉ. एस के सिंह ने कहा कि उच्च तापमान केले में फूल और फल लगने के लिए आवश्यक हार्मोनल संतुलन को बाधित करता है। वे कहते हैं कि फूल को बढ़ावा देने वाले हार्मोन, गर्मी के तनाव से नकारात्मक रूप से प्रभावित हो जाते हैं, जिससे पुष्पक्रम का खराब विकास होता है। इसके अलावा, फूल लगने की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान गर्मी के चलते असामान्य फूल होंगे जिससे कम फल लग सकते हैं। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में केले की खेती 42.92 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में होती है, जिससे कुल 1968.21 हजार टन उत्पादन होता है। बिहार की उत्पादकता 45.86 टन प्रति हेक्टेयर है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर केला 924 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में उगाया जाता है, जिससे कुल 33,062 टन उत्पादन प्राप्त होता है। बताया जाता है कि इसकी खेती के लिए आवश्यक है कि तापक्रम 13 से 40 डिग्री के बीच हो। सर्दी में न्यूनतम तापमान जब 10 से डिग्री नीचे जाता है तब केला के पौधे के अंदर द्रव का प्रवाह रुक जाता है, जिससे केला के पौधे का विकास रुक जाता है और कई तरह के विकार दिखाई देने लगते हैं। सिंह बताते हैं कि हीट वेव से केले के पकने की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिससे समय से पहले फल पक जाते हैं और फलों की शेल्फ लाइफ कम हो जाती है। उच्च तापमान पर श्वसन दर में वृद्धि के कारण स्टार्च का शर्करा में तेजी से कमी आ जाती है, जिससे फल अधिक पके और अक्सर फट जाते हैं।

गैस से बिजली उत्पादन मई में कईसाल के उच्चस्तर पर, एलएनजी के आयात में तेज वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के कारण देश में मई, 2024 में गैस आधारित बिजली उत्पादन कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। गैस आधारित बिजली का इस्तेमाल लगातार बढ़ने से दो वर्षों में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात में तेज वृद्धि का अनुमान है। ग्रिड इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल और मई में देश में गैस आधारित बिजली का उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में दोगुना होकर 8.9 अरब किलोवाट घंटे पहुंच गया। इसके साथ ही, बिजली बनाने में इस्तेमाल कोयले की हिस्सेदारी में कोरोना महामारी के बाद पहली बार गिरावट आई है। मई में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी एक साल पहले की समान अवधि के 75.2 फीसदी से घटकर 74 फीसदी रह गई। वहीं, गैस की हिस्सेदारी 1.6 फीसदी से दोगुना होकर 3.1 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में गैस आधारित बिजली के उत्पादन में 10.5 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

शाकाहारी थाली एक साल में नौ फीसदी महंगी, मांसाहारी थाली सात फीसदी सस्ती

नई दिल्ली। शाकाहारी थाली एक साल में 9 फीसदी महंगी हो गई है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत घटी है। क्रिसिल की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, मई, 2023 में शाकाहारी थाली की कीमत 25.5 रुपये थी, जो इस साल मई में बढ़कर 27.80 रुपये पहुंच गई है। वहीं, मांसाहारी थाली 7 फीसदी सस्ती होकर 55.90 रुपये पर आ गई।हालांकि, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली एक फीसदी ही महंगी हुई है। टमाटर, आलू और प्याज की बढ़ती कीमतों से शाकाहारी थाली महंगी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टमाटर के दाम एक साल में 39 फीसदी, आलू के 41 फीसदी और प्याज के 43 फीसदी बढ़े हैं। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट का श्रेय ब्रॉयलर को जाता है। एक साल में इसकी कीमत 16 फीसदी तक घटी है।

एमपीसी ने लगातार आठवीं बार रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव, आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का एलान

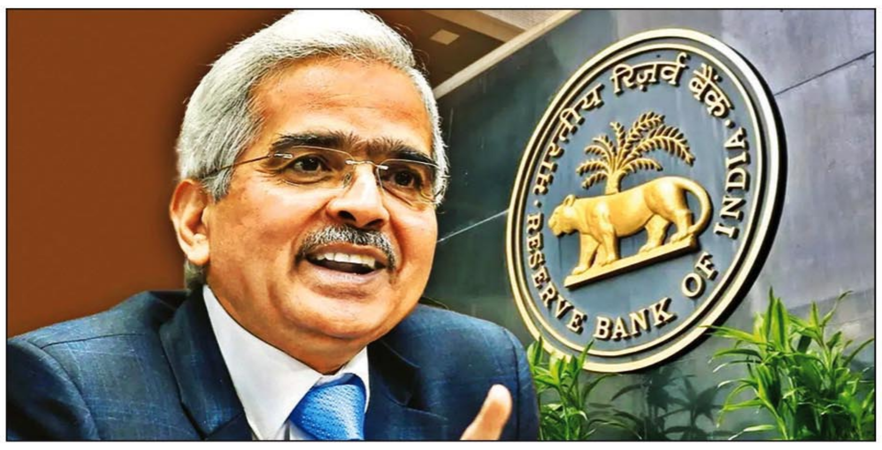

नई दिल्ली।
भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिनों तक चली बैठक के बाद रेपो रेट को वर्तमान दर पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दर निर्धारण समिति ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी। रेपो रेट से बैंकों की ईएमआई जुड़ी होती है। ऐसे में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने से यह तय हो गया है कि आपके बैंक लोन की ईएमआई में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है।

पांच जून से सात जून तक चली एमपीसी की बैठक

इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए तीन दिवसीय बैठक शुरू की। एमपीसी की बैठक में छह सदस्यों में से चार ब्याज दरों को स्थिर रखने के पक्ष में रहे। वित्तीय वर्ष 2025 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 25 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो पिछले अनुमान 7 प्रतिशत से अधिक है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्थिर खर्च के साथ निजी खपत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी जारी है। आरबीआई गवर्नर बोले- महंगाई दर 4 प्रतिशत पर लाने के लिए केंद्रीय बैंक प्रतिबद्ध आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई में कमी लाने में एमपीसी की भूमिका अहम है। दास ने कहा कि वर्तमान में गर्मी के कारण सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। त्र्ध्र्ध्र गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को स्थायी आधार पर 4 प्रतिशत के लक्ष्य पर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरतः शक्तिकांत दास

उन्होंने ईंधन की कीमतों में गिरावट के रुख के लिए एलपीजी कीमतों में कटौती को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने खाद्य कीमतों में वृद्धि की वैश्विक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे व्यापक बाजार में बदलाव दिख सकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य कीमतों में अनिश्चितता पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जरूरत के मुताबिक लिक्विडिटी पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपये में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी, सोने के वायदा भाव 73,250, चांदी 93,900 हजार रुपए

नई दिल्ली। सोने के वायदा कारोबार में भी तेजी देखने को मिल रही है, जबकि चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। लेकिन बाद में इसके भाव भी चढ़ गए। सोने के वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,900 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 106 रुपये की तेजी के साथ 73,237 रुपये के भाव पर खुला। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 188 रुपये की गिरावट के साथ 93,628 रुपये पर खुला। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 106 रुपये की तेजी के साथ 93,922 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-दी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,395.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,390.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 5.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,396.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.47 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.36 डॉलर था। इस समय यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 31.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश को अब राहुल गांधी पर भरोसा नहीं, शेयर बाजार में घोटाले के आरोपों पर पीयूष गोयल का पलटवार

नई दिल्ली।
भारत के अर्थव्यवस्था की उपलब्धि साधारण उपलब्धि नहीं है। पूरा विश्व इसे गंभीरता से देख रहा है और समझ रहा है। भारत का विकास पीएम मोदी के नेतृत्व में होने जा रहा है। एक बार फिर मोदी सरकार बन रही है इस बात से राहुल गांधी बहुत परेशान नजर आ रहे हैं। ऐसे में वे अपने बयान से निवेशकों को हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहे हैं। इक्विटी मार्केट में चुनाव के हिसाब से अलग अलग तरीके से बदलाव होते रहते हैं। ये बातें भाजपा नेता पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के शेयर बाजार में घोटालों के आरोपों के पलटवार में कही है। गोयल ने यह भी कहा कि देश की जनता को अब राहुल गांधी पर भरोसा नहीं है।

गोयल ने कहा, दुनिया भर में इस तरह से इक्विटी मार्केट चलती है। देखना यह है कि लंबे अरसे में इक्विटी मार्केट में क्या हुआ है। देश के निवेशक जानते हैं कि पिछले दस वर्ष के सफलतापूर्वक मोदी सरकार के कार्यकाल में हमारा मार्केट कैप पहली बार 400 लाख करोड़ क कीर्तिमान हासिल किया है। पीएसय का मार्केट कैप भी चार गुना मोर्द सरकार के कार्यकाल में बढ़ा है यूपीए काल में भारत का मार्केट कैप मात्र 67 लाख करोड़ रुपये था। आज यह बढ़कर 415 लाख करोड़ रुपये हे गया है। यह 348 लाख करोड़ रुपये की बढ़त पिछले दस वर्षों में हुई है।

गोयल ने कहा, पिछले 60 वर्षो में भारतीय बाजार ने जो मार्केट कैप हासिल किया उससे पांच गुना मोर्द सरकार के कार्यकाल में हासिल किया गया। इसका सबसे बड़ा लाभ भारतीय निवेशकों विशेषकर खुदर निवेशकों को इसका लाभ हुआ आज वो सिर्फ मार्केट को दूर से नहीं देखते। आज वो निवेश करने उसका सीधा लाभ लेते हैं एफपीआई की होल्डिंग यूपीए काल में 21 प्रतिशत थी वो आज घटकर 16 प्रतिशत हो गई है विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी कम हुई है और भारतीय निवेशको की बढ़ी है। यह 79 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गई है।

इस साल बिक सकते हैं रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर, 40 फीसदी तक की वृद्धि

नई दिल्ली।
भीषण गर्मी के कारण इस साल देशभर में रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर (एसी) बिक सकते हैं।कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने कहा, मई में एसी की रिकॉर्ड बिक्री हुईहै। गर्मी में बिक्री में 30-40 फीसदी बढ़ सकती है।

वाचानी ने कहा, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं ने अब शहरी क्षेत्रों में घरेलू एसी को अनिवार्य जरूरत बना दिया है। बाजार विकसित होने के साथ उम्मीद है कि देश में सालाना बिक्री करीब 1.4 करोड़ इकाई होगी, जो क्षेत्र के मजबूत विस्तार को बताती है। भारतीय रिहायशी एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़कर लगभग एक से 1.11 करोड़ इकाई तक पहुंचने की उम्मीद है।

आइसक्रीम-शीतल पेय पदार्थों की बिक्री में तेजी

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच कोला, पेय पदार्थ, आइसक्रीम और ठंडक प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की बिक्री में जोरदार तेजी आई है।पेप्सिको इंडिया और कोका कोला जैसी कंपनियों का कहना है कि मांग में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए हमने अपना भंडार (इन्वेंट्री) तैयार कर रखा है।

अमेजन ने वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर के कुछ एसेट्स का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली।
दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी अमेजन की ओर से वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर के कुछ एसेट्स को खरीद लिया गया है।इस डील को लेकर अमेजन के प्रवक्ता की ओर से दिए गए बयान में कहा गया कि हम हमेशा अपने ग्राहकों के लिए नए प्रोडक्ट्स की तलाश करते हैं, जिससे कि उनकी जिंदगी आसान हो। अमेजन प्राइम वीडियो और मिनी टीवी पर मौजूद लोकल और एक्सक्लूसिव कंटेंट से पूरे भारत का मनोरंजन करके हमें खुशी हो रही है। कंपनी की ओर से डील के साइज के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि डील 100 मिलियन डॉलर से कम की है। बता दें कि एमएक्स प्लेयर ने 2019 में 500 मिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर 111 मिलियन डॉलर जुटाए थे। तब से कंपनी की वैल्यूएशन में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अमेजन की ओर से ऐड के समर्थन वाली मिनी टीवी स्ट्रीमिंग सर्विस को चलाया जाता है। मान जा रहा है कि एमएक्स प्लेयर क अधिग्रहण से इसे सहारा मिलेगा अमेजन की ओर से ये कदम ऐसे समय पर देखने को मिला है, जब कुछ महीने पहले वॉल्ट डिज्नी की भारतीय इकाई और रिलायंस इंडस्ट्री के साथ ज्वाइंट वेंचर क ऐलान किया गया था। इस डील के तहत वायकॉम 18 और स्टार इंडिया के टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म को एक कंपनी के तहत लाया जाएगा। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन के विश्लेषकों के मुताबिक जैसे ही रिलायंस इंडस्ट्री के मीडिया कारोबार और वॉल्ट डिज्नी की भारतीय इकाई का मर्जर हो जाएगा। इनके पास भारत के 85 प्रतिशत वीडियो स्ट्रीमिंग दर्शक होंगे।

एयर इंडिया और विस्तारा के विलय का रास्ता हुआ साफ, राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण ने मंजूरी दी

नई दिल्ली।
राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) ने एयर इंडिया और विस्तारा के विलय को मंजूरी दी। जिससे इसके दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक बनने का रास्ता साफ हो गया है। विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी होगी। विस्तारा सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा समूह का एक संयुक्त उद्यम है।

एनसीएलटी की चंडीगढ़ पीठ ने 31 पन्नों के फैसले में टैलेस, एयर इंडिया और विस्तारा से जुड़ी समग्र व्यवस्था योजना को मंजूरी दी। सभी टाटा समूह का हिस्सा हैं। एयर इंडिया को उम्मीद है कि इस साल के अंत तक विलय पूरा हो जाएगा। एनसीएलटी की चंडीगढ़ की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि इस योजना को दोनों एयरलाइन कंपनियों के शेयरधारकों और लेनदारों से पहले ही आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है।

एनसीएलटी के आदेश में कहा गया, याचिकाकर्ता कंपनियों और उनके शेयरधारकों के बीच धारा 230 से 232 और कंपनी अधिनियम 2013 के अन्य प्रावधानों के तहत समग्र व्यवस्था योजना को मंजूरी दी जाती है। इसमें कहा गया है कि योजना कंपनियों और उनके संबंधित शेयरधारकों के लिए बाध्यकारी होगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि कंपनियां सिंगापुर एयरलाइंस (विस्तारा की शेयरधारक) से प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की मंजूरी और डीजीसीए/एमओसीए से संबंधित सीएआर (नागरिक उड्डयन विनियमन) के तहत आवश्यक सुरक्षा मंजूरी इस आदेश की तारीख से नौ महीने की समय सीमा केभीतर सुनिश्चित करेंगी। इस साल मार्च में सिंगापुर के प्रतिस्पर्धा नियामक सीसीसीएस ने प्रस्तावित विलय को सशर्त मंजूरी दी। सितंबर 2023 में सौदे को कुछ शर्तों के साथ सीसीआई से मंजूरी मिली। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयर इंडिया की बागडोर संभाली थी।

रुपया छह पैसे बढ़कर 83.47 डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणा से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.47 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा, हालांकि स्थानीय मुद्रा को सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों तथा विदेशों में अमेरिकी मुद्रा के नरम पड़ने से समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि निवेशक रिजर्व बैंक की दर-निर्धारण समिति के निर्णय से पहले सतर्क हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपना तीन दिवसीय विचार-विमर्श शुरू किया और परिणाम घोषित करेगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.46 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद फिसलकर 83.47 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.53 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.07 पर रहा।

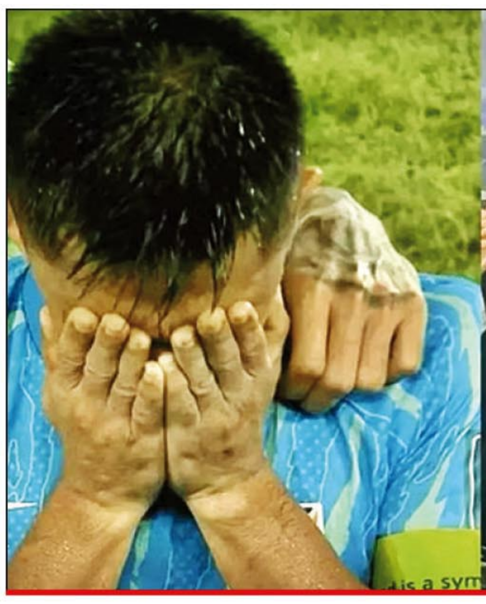

छेत्री की आंसुओं से विदाई, मैच के बाद फूट-फूटकर रोए, सॉल्ट लेक में उमड़ा भावनाओं का सैलाब

कोलकाता ।
सुनील छेत्री के विदाई मैच में भारत और कुवैत का मुकाबला गोलरहित बराबरी पर छूटा। फीफा विश्व कप क्वालिफायर में भारत जीत नहीं पाया, लेकिन सॉल्ट लेक स्टेडियम में मौजूद लगभग एक लाख फुटबॉल प्रेमियों ने छेत्री पर प्यार लुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैच के बाद छेत्री की आंखों में तो आंसू थे, साथ में उन्हें प्यार करने वाले दर्शकों की आंखे भी नम थीं। छेत्री ने भी पूरे स्टेडियम का चक्कर लगाकर हाथ जोड़कर दर्शकों का धन्यवाद किया। भारतीय टीम ने जब उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो वह फूट-फूटकर रोने लगे। इससे पहले भारत को मैच में कई मौके मिले, लेकिन भारतीय टीम इन्हें भुना नहीं पाई। भारत के इस ड्रॉ के साथ पांच अंक हो गए हैं और उसे फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में पहुंचने के लिए अब इंतजार करना होगा। भारत को अपना अंतिम ग्रुप मैच मजबूत कतर से खेलना है। छेत्री के आखिरी मैच में दर्शकों की भीड़ छेत्री को विदाई देने के लिए हजारों दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। इनमें से अधिकतर ने इस स्टार स्ट्राइकर की 11 नंबर की जर्सी पहनी हुई थी। उनके मन में एक टीस भी थी कि अब वह अपने इस प्रिय खिलाड़ी को भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए नहीं देखेंगे। छेत्री ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर का मैच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका अंतिम मैच होगा और यही वजह थी कि उनका कोई भी प्रशंसक उन्हें भारत की तरफ से अंतिम मैच में खेलते हुए देखने से नहीं चूकना चाहता था। छेत्री ने जमुना दास को गले लगाया ड्राइवर की बगल की सीट पर बैठे छेत्री सबसे पहले बस से उतरे। बस से उतर कर छेत्री इस मैदान पर होने वाले हर मैच की गवाह रही 'लोजेंज माशी' जमुना दास के पास गए, जो ईस्ट बंगाल की समर्थक हैं। छेत्री ने उन्हें गले लगाया और फिर मैदान की तरफ चले गए। वह जैसे ही मैदान पर पहुंचे चारों तरफ तिरंगा लहराने लगा और स्टेडियम में छेत्री छेत्री की गूंज सुनाई देने लगी। स्टेडियम में एक बहुत बड़ा पोस्टर लगा था जिसमें बंगाली में लिखा था, सोनार सुनील। तोमाय हृद मझारे रखबो ' (स्वर्णिम सुनील, मैं आपको अपने दिल में बनाए रखूंगा।) इसके अलावा कई अन्य पोस्टर भी लहरा रहे थे जिसमें सुनील छेत्री का गुणगान किया गया था। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह के पीछे खड़े छेत्री को जोर से राष्ट्रगान गाते हुए भी देखा गया।

न्यूज ब्रीफ

सरबजोत ने म्यूनिख निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता, खुला भारत के पदक का खाता

म्यूनिख । सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और चार बार के ओलंपियन यूसुफ डिकेक की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस स्वर्ण से आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता भी खुल गया। भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए। उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा। जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता। सरबजोत ने क्वालिफाइंग मुकाबले में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, फाइनल में सरबजोत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता। इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले सरबजोत पेरिस ओलंपिक के लिए चयन ट्रायल में भी शीर्ष पर रहे थे। सरबजोत ने चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2023 की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक का पहला पिस्टल कोटा हासिल किया था। पिछले साल एशियाई खेलों में सरबजोत ने पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता था।

सरकारी सेवाओं में खिलाड़ियों को मिलेगा इतने प्रतिशत आरक्षण राजभवन से मंजूरी के बाद शासनादेश जारी

देहरादून। राज्य के कुशल खिलाडियों को सरकारी सेवाओं में चार प्रतिशत आरक्षण मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

राजभवन से मंजूरी मिलने के बाद अब इसका शासनादेश जारी हो गया है। खेल मंत्री रेखा आर्या ने इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया है। साथ ही उन्होंने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर उत्तराखंड लोक सेवा (कुशल खिलाडियों के लिए क्षैतिज आरक्षण) विधेयक के प्रविधानों के अनुसार खेल कोटा का निर्धारण करते हुए विभिन्न विभागों से रिक्त पदों के सापेक्ष अधियाचन तैयार कराकर संबंधित आयोग को प्रेषित करने को कहा है। मार्च माह में राजभवन से भी मंजूरी मिली प्रदेश सरकार ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कुशल खिलाडियों को सरकारी सेवाओं में आरक्षण देने संबंधी विधेयक को मंजूरी प्रदान की थी। इसे मार्च माह में राजभवन से भी मंजूरी मिल गई थी। अब इसका शासनादेश जारी हो गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि लोक सेवाओं के दायरे में सरकारी विभाग, सहकारी समिति, बोर्ड या निगम, सरकार के नियंत्रण वाले कानूनी निकाय, सरकार के नियंत्रण वाले शिक्षण संस्था और विश्वविद्यालय आएंगे। इसमें कुशल खिलाड़ी की परिभाषा भी स्पष्ट की गई है। साथ ही ओलिंपिक से लेकर अखिल भारतीय विश्वविद्यालय खेल या खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पदक विजेताओं के लिए पदों की श्रेणी तय की गई हैं। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि पूर्व में राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ी अन्य राज्यों को सेवाएं देते थे।

सीएसके के हाई परफॉर्मेंस सेंटर को संभालेंगे अश्विन

नई दिल्ली । सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि अनुभवी ऑफ स्पिनर आर अश्विन अब

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हाई परफॉर्मेंस सेंटर की जिम्मेदारी संभलेंगे। विश्वनाथन ने कहा है कि 2009 से 2015 तक सीएसके टीम का हिस्सा रहे अश्विन भारत के साथ ही विदेशों में भी टीम की विभिन्न अकादमियों की कमान संभालेंगे। साथ ही कहा कि अश्विन महान खिलाड़ियों में से एक हैं और उनकी उपस्थिति से हाई परफॉर्मेंस केंद्र और हमारी अकादमियों को लाभ मिलेगा। अश्विन टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज है। वह आईपीएल में 2009 से 2015 तक सीएसके टीम में शामिल रहे थे। इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में अगर अश्विन बोली का हिस्सा होते है तो सीएसके उन्हें अपनी टीम से जोड़ने का प्रयास करेगी। अश्विन साल 2022 सत्र से राजस्थान रॉयल्स टीम के सदस्य है। वहीं आईपीएल नीलामी में अश्विन को टीम से जोड़ने के बारे में पूछे जाने पर विश्वनाथ ने कहा कि नीलामी में चीजें हमारे नियंत्रण में नहीं होती है।

टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को हराया

मेजबान ने सुपर ओवर में जीता मैच भारतीय मूल के 2 खिलाड़ी हीरो बने

डलास।
पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप होस्ट कर रही और पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही अमेरिका ने इतिहास रच दिया है। 2009 की चैंपियन पाकिस्तान को अमेरिका ने सुपर ओवर में हराया। मैच इंट्रेस्टिंग था और आखिरी ओवर तक मैच का विजेता तय नहीं हो पाया। फैसला सुपर ओवर में हुआ। ये इस वर्ल्ड कप का दूसरा सुपर ओवर मुकाबला था। इससे पहले नामीबिया ने ओमान को सुपर ओवर में हराया था। इस पूरी कहानी से पहले यह जान लीजिए कि अमेरिका की कप्तानी गुजरात में जन्मे मोनांक पटेल कर रहे हैं, वे भारत में गुजरात की अंडर-19 टीम से खेल चुके हैं। टीम में सौरभ नेत्रवल्कर हैं, जो 2010 में भारत की ओर से अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। हरमीत सिंह 2010 और 2012 में अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। वहीं, जसदीप 2011 अंडर-19 वर्ल्ड कप के संभावितों में रहे हैं। इतिहास बनाने वाली अमेरिकी टीम में इन चारों का योगदान रहा है। खासतौर से मोनांक और नेत्रवल्कर का। पाकिस्तान की हार पर कई पूर्व क्रिकेटर्स ने प्रतिक्रिया दी है शोएब अख्तर ने कहा, पाकिस्तान की शर्मनाक हार हुई। हमें अच्छा स्टार्ट नहीं मिला। पाकिस्तान यहां जीतना डिजर्व ही नहीं करता था। वसीम अकरम बोले, मैच का निर्णायक मोड़ यही था कि अमेरिका ने शुरूआती विकेट चटकाए। पाकिस्तान के लिए बाबर और शादाब के बीच छोटी सी साझेदारी हुई लेकिन उनके अलावा कोई नहीं चला। फील्डिंग बहुत खराब थी। कुल मिलाकर प्रदर्शन अच्छा नहीं था।वसीम जाफर ने एक्स पर लिखा, पाकिस्तान के खिलाफ अमेरिका की जीत को सभी फैंस एन्जॉय कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कप्तान मोनंक पटेल को भी शुभकामनाएं दी और कहा की आपने क्रिकेट जगत का सम्मान पाया है। पाकिस्तान ने अमेरिका को 159 रन का टारगेट दिया था। बाबर आजम ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। उनके बाद ऑलराउंडर शादाब खान 40 रन का योगदान दिया। नोस्तुश केंजीगे ने 3 विकेट लिए और नेत्रवल्कर ने 2 विकेट। अमेरिका की ओर से मोनांक ने फिफ्टी लगाई। एंड्रीस गॉस ने 35 और एरोन जोंस ने 36 रन बनाकर स्कोर टाई करा दिया। नोस्तुश केंजीगे... पाकिस्तान के

खिलाफ अमेरिका की ऐतिहासिक जीत के असली हीरो ये ही हैं। उन्होंने मैच के तीसरे ओवर की तीसरी बॉल पर उस्मान खान को 3 रन पर चलता करके पाकिस्तान पर पावरप्ले में दबाव बनाया। 13वें ओवर में शादाब खान का विकेट लेकर बाबर के साथ 72 रन की पार्टनरशिप को तोड़ा। इतना ही नहीं, उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाज आजम खान को शून्य पर आउट करके पाकिस्तान पर मिडिल ओवर में दबाव बनाया।

जीत के हीरोज

1. मोनांक पटेल - 160 के रन चेज में ओपन करने आए और 38 बॉल पर 50 रन की समझदारी भरी पारी खेली। वे अच्छी गेंदों पर डिफेंसिव रहे और खराब बॉलों पर बाउंड्री लगाईं। उन्होंने 7 चौके और एक सिक्स लगाया। मोनांक ने टॉप ऑर्डर में 2 अहम साझेदारियां कीं। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

2. एंड्रीस गॉस - 36 रन के स्कोर पर टेलर के आउट होने के बाद कप्तान मोनांक के साथ पारी संभाली और टीम को 100 पार पहुंचाया। गॉस ने 26 बॉल पर 35 रन की पारी खेली। दोनों ने 36 रन जोड़े।

3. एरोन जोन्स - 26 बॉल पर नाबाद 36 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 2 छक्के के सहारे 138.46 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। जोन्स ने नितिश कुमार के साथ डेथ ओवर्स में 35 बॉल पर नाबाद 48 रन की पार्टनरशिप करके मैच टाई कराया।

टर्निंग पॉइंट

पहला: 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर नितिश का चौका मैच का आखिरी ओवर हारिस राउफ डाल रहे थे। 15 रन का बचाव करते हुए हारिस पहले 5 बॉल पर 10 रन दे चुके थे। ऐसे में अमेरिका को जीत के लिए एक बॉल पर 5 रन की जरूरत थी और नितिश कुमार ने चौका जमाते हुए मैच टाई करा दिया।

दूसराः सुपर ओवर में इफ्तिखार का विकेट सुपर ओवर में अमेरिकी बल्लेबाजों ने मोहम्मद आमिर के ओवर में 18 रन बनाते हुए 19 रन का टारगेट सेट किया। सौरभ की शुरुआती 3 बॉल पर 5 रन बन चुके थे। फिर नितिश कुमार ने शानदार कैच पकड़कर इफ्तिखार को पवेलियन भेजा।

हार की 3 वजहें...

1. पाकिस्तान की खराब शुरुआत - यूएसए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में 30 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर मोहम्मद रिजवान 9 और उस्मान खान 3 रन बनाकर आउट हुए।

2. पहले 5 ओवर्स में विकेट नहीं, यूएसए की शुरुआत अच्छी - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शुरुआती 5 ओवर्स में विकेट नहीं ले सके। ऐसे में स्टीफन टेलर और मोनांक पटेल टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में कामयाब हो गए। दोनों ने 36 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। पावरप्ले के आखिरी ओवर में टेलर के आउट होने के बाद दबाव नहीं बना।

3. शाहीन अफरीदी से कैच छूटे - अमेरिकी पारी के चौथे ओवर में कप्तान मोनांक पटेल को जीवनदान मिला। लॉन्ग ऑफ में शाहीन अफरीदी से पटेल का कैच ड्रॉप हो गया। तब वे 12 रन पर खेल रहे थे। लाइफ मिलने का बाद मोनांक ने हाफ सेंचुरी जमा दी। पारी के आखिरी ओवर ने शाहीन ने जॉन्स का भी कैच ड्रॉप किया।

फाइटर ऑफ द मैच
सौरभ ने सुपर ओवर में फखर जमान, इफ्तिखार अहमद और शादाब खान जैसे बैटर्स के सामने 19 रन बचाए। सौरभ ने प्रेशर मोमेंट में सही लाइन पर गेंदबाजी की। बॉल को बल्लेबाजों से दूर रखा और फील्डिंग के मुताबिक बॉल डाली।

भारतीय टीम को आईसीसी खिताब जीतने मानसिक बाधाओं को दूर करना होगा : पोंटिंग

सिडनी ।
ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार भारतीय टीम मानसिक दवाव के कारण पिछले एक दशक से आईसीसी खिताब नहीं जीत पायी है। पोंटिंग के अनुसार टीम को अपने प्रशंसकों की अपेक्षाओं के बोझ से निपटन सीखना होगा। इस पूर्व कप्तान के अनुसार भारतीय टीम को आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिये मानसिक बाधाओं से पार निकलना होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था। उन्होंने कहा ," आपको स्पष्ट रहना होगा कि आपका ध्यान टूर्नामेंट पर है , ना कि बाहरी दबाव के बारे में चिंता करने पर या बहुत अधिक आगे की सोचने पर।" उन्होंने कहा ," भारतीय टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है पर हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि विश्व कप जीतना आसान नहीं होता। एक ही समय में दुनिया के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें खेलते हैं।" ऑस्ट्रेलिया को बतौर कप्तान 2003 और 2007 विश्व कप दिलाने वाले पोंटिंग ने कहा ,"इसका संबंध मानसिकता से है। आप दबाव का सामना कैसे करते हैं। दबाव के हालात में आप कैसे सोचते हैं, इसी में जीत और हार का अंतर होता है।" उन्होंने कहा ," विश्व कप में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हर समय अच्छा खेलना होता है। आस्ट्रेलियाई टीमें बड़े टूर्नामेंटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जानती रहीं हैं।" इसी कारण ऑस्ट्रेलिया ने सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए गत वर्ष एकदिवसीय विश्व कप जीता था। पोंटिंग का मानना है कि वेस्टइंडीज के हालात में खेलने के लिये भारतीय टीम के पास पर्याप्त प्रतिभा है।

आगामी पेरिस ओलंपिक में जीत के इरादे से जाएंगे खिलाड़ी : तजिंदरपाल

नई दिल्ली ।
शीर्ष गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर ने कहा है कि नीरज चोपड़ा के ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद से ही भारतीय एथलीट की मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है और खिलाड़ी अब अधिक आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। उन्हें लगने लगा है कि वे आगामी पेरिस ओलंपिक में केवल भाग लेने नहीं बल्कि जीत के लिए जा रहे हैं। तूर के अनुसार नीरज की सफलता से अब भारतीय खिलाड़ियों को अपने पर भरोसा होने लगा है और ये एक बड़ी उपलब्धि है।

तूर का मानना है कि टोक्यो ओलंपिक के बाद भारतीय खिलाड़ियों का 'विश्वास बढ़ा' है और वे अपने को किसी भी मामले में विश्व

के शीर्ष एथलीटों से कम नहीं मान रहे। एशियाई खेलों में दो बार स्वर्ण पदक विजेता रहे तूर ने कहा, " टोक्यो ओलंपिक खेलों में नीरज के स्वर्ण पदक के बाद से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम में से हर कोई इसमें केवल भाग लेने के लिए नहीं जा रहा है। हम पदक जीतने के इरादे से वहां जा रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आज मानसिकता में बड़ा बदलाव आया है। हम अपने आप को उन शीर्ष वैश्विक एथलीटों से कम नहीं समझते जिनके साथ हमें मुकाबला करना है।" ये खिलाड़ियों में आया एक बड़ा बदलाव है।

गॉफ को हराकर फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचीं इगा स्वियातेक, खिताबी मुकाबले में पाओलिनी से टक्कर

पेरिस ।
शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक का लक्ष्य पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल करना होगा। वह 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं। इगा स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में कोको गॉफ को 6-2, 6-4 से हराकर रोलां गैरां में जीत का सिलसिला 20 मैचों तक पहुंचा दिया। शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक का लक्ष्य पेरिस में पांच साल में चौथी बार फ्रेंच ओपन का खिताब हासिल करना होगा। वह 2007-09 में जस्टिन हेनिन के बाद लगातार तीन बार फ्रेंच ओपन जीतने वाली पहली महिला बन सकती हैं।

फ्रेंच ओपन में अपना चौथा खिताब जीतने की कवायद में लगी स्वियातेक ने तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ को 6-2, 6-4 से पराजित किया। इस तरह से वह जस्टिन हेनिन (2007 से 2009) के बाद रोलां गैरा पर लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने से अब केवल एक कदम दूर है।

स्वियातेक ने गॉफ के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 11-1 कर दिया है। उन्होंने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार अमेरिकी खिलाड़ी को हराया। इनमें 2022 के फाइनल और पिछले साल के क्वार्टर फाइनल में दर्ज की गई जीत भी शामिल हैं।

पाओलिनी से फाइनल में सामना

अब तक चार ग्रैंड स्लैम जीत चुकी स्वियातेक ने फ्रेंच ओपन में अपने विजय अभियान को 20 मैच तक पहुंचा दिया है। होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला इटली की 12वीं वरीय जैस्मीन पाओलिनी से होगा। पाओलिनी ने दूसरे सेमीफाइनल में रूस की गैरवरीयता प्राप्त 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-1 से हराया।

एडवर्ड-सिगेमुंड ने फ्रेंच ओपन का मिश्रित युगल खिताब जीता

एडवर्ड रोजर-वेसेलिन और लॉरा सिगेमुंड ने यहां नील स्कुपस्की और डिजायर क्रॉजिक की जोड़ी को सीधे सेट में हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीता। पहली बार किसी टूर्नामेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे फ्रांस के रोजर-वेसेलिन और जर्मनी की सिगेमुंड ने स्कुपस्की और क्रॉजिक की जोड़ी को 6-4, 7-5 से हराया। सिगेमुंड इससे पहले 2016 में अलग जोड़ीदार के साथ अमेरिकी ओपन का मिश्रित युगल ओर 2020 में महिला युगल खिताब जीत चुकी हैं। ज्वेरेव सेमीफाइनल में, दूसरे सेमीफाइनल में अल्कारेज-सिनर की टक्कर चौथी वरीय जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लगातार चौथी बार फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनोर को 6-4, 7-6 (5), 6-4 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनकी भिड़ंत 2022 और 2023 के उपविजेता नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगी।

नामीबिया के खिलाफ पहली बार टी-20 मुकाबला जीता स्कॉटलैंडः 5 विकेट से हराया, बेरिंगटन ने 47 रन की पारी खेली, लीस्क का दोहरा प्रदर्शन

नई दिल्ली ।
वर्ल्ड कप में नामीबिया और स्कॉटलैंड के बीच मैच खेला गया। स्कॉटलैंड ने यह मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया। बारबाडोस के केंसिग्टन ओवल में नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में स्कॉटलैंड ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया।स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने नाबाद 47 रन की पारी खेली। वहीं, माइकल लीस्क ने 17 बॉल पर 35 रन बनाने के साथ ही 1 विकेट भी अपने नाम किया। यह स्कॉटलैंड की नामीबिया पर पहली टी-20 जीत थी। इससे पहले हुए तीनों टी-20 मुकाबले नामीबिया के नाम रहे थे। नामीबिया की पारी: पावरप्ले में विकेट गिरे, मिडिल ओवर्स में हुई साझेदारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया ने पावरप्ले में 3 विकेट खो दिए। ओपनर जेपी कोट्ज 0 रन बनाकर पहले ही ओवर में विकेट दे बैठे। वहीं, चौथे ओवर में निकोलस डेविन और 5वें ओवर में जान फ्रिलिंक 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चौथे विकेट पर कप्तान जेराड इरास्मस आए और पारी को संभाला, उन्होंने जेन ग्रीन के साथ 38 बॉल में 51 रन की साझेदारी की। इरास्मस 52 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जेन ग्रीन और डेविड विसे ने साथ 22 बॉल में 31 रन जोड़े। ग्रीन 28 रन और विसे 14 रन बनाकर आउट हुए। रूबेन ट्रम्पेलमैन 1रन और जेजे स्मिट 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बर्नार्ड स्कोल्ट्ज 6 रन आर टैंगेनी लुंगामेनी 0 रन बनाकर नाबाद रहे। नामीबिया 9 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। स्कॉटलैंड की ओर से ब्रैड व्हील को 3 विकेट मिले। वहीं ब्रेड करी को 2 विकेट हासिल हुए। क्रिस सोल, क्रिस ग्रीव्स और माइकल लीस्क को 1-1 सफलता मिली। स्कॉटलैंड की पारी: शुरुआत खास नहीं, कप्तान ने टारगेट तक पहुंचाया 156 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की पारी की शुरुआत ठीक नहीं रही। ओपनिंग कर रहे जॉर्ज मुन्से 7 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, माइकल जॉन्स 26 रन ही बना सके। तीसरे विकेट पर आए। ब्रैंडन माकमुलेन 19 रन बनाकर आउट हुए। 10 ओवर में टीम ने 3 विकेट खोकर 69 रन बनाए। इसके बाद टीम के कप्तान रिची बैंरिंगटन आए। और पारी को संभाला। उनका साथ माइकल लीस्क ने लिया। लीस्क ने 17 बॉल में 35 रन की पारी खेली। वहीं, बैरिंगटन ने नाबाद 47 रन बनाए और मैच जिता दिया। क्रिस ग्रीव्स 4 रन बनाकर नाबाद रहे। नामीबिया के कप्तान जेराड इरास्मस को 2 विकेट मिले। वहीं, रूबैन ट्रैम्पलमैन, टैंगेनी लुंगामेनी और बर्नार्ड स्कोल्ट्ज को 1-1-विकेट मिला। रिची बैरिंगटन और माइकल लीस्क को बीच 42 बॉल में 72 रन की साझेदारी मैच का टर्निंग पॉइंट रही। टीम ने पहले 10 ओवर में 3 विकेट खो गए। इस बीच एक भी बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी। पांचवे विकेट के लिए रिची बैरिंगटन ने 36 रन और माइकल लीस्क ने 17 बॉल में 35 रन बनाकर 74 रन की साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया। बेशक फाइटर ऑफ द मैच नामीबिया के कप्तान जेराड इरास्मस रहे। इरास्मस ने अर्धशतक जमाने के साथ दी टीम के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

नामीबिया (प्लेइंग इलेवन): निकोलस डेविन, जेपी कोट्ज, जान फ्रिलिंक, जेराड इरास्मस (कप्तान), मालन क्रूगर, जेजे स्मिट, डेविड विसे, जेन ग्रीन (विकेटकीपर), रूबेन ट्रम्पेलमैन, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज और टैंगेनी लुंगामेनी।

स्कॉटलैंड (प्लेइंग इलेवन): जॉर्ज मुन्से, माइकल जोन्स, ब्रैंडन मैकमुलेन, रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस (विकेट कीपर), माइकल लीस्क, क्रिस ग्रीव्स, मार्क वाट, क्रिस्टोफर सोल, ब्रैड व्हील और ब्रैडली करी।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है।

महिलाओं पर शोध के बाद सामने आया नतीजा

मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है।

क्या है ऑटिज्म

ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

मेटाबालिक हेल्थ पर बुरा असर पड़ने का नतीजा

जनरल में प्रकाशित अपने लेख में कहा कि यह बहुत आश्चर्यजनक नहीं है। कई अध्ययनों में यह साबित हो चुका है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह से भ्रूण के विकास और उनके मेटाबोलिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि गर्भवती महिलाओं में मोटापा और मधुमेह जन्म लेने वाले बच्चे के तंत्रिका तंत्र के विकास पर भी प्रभाव डालता है। अध्ययन से हालांकि यह साबित नहीं होता है कि मां का मोटापा और मधुमेह बच्चे में ऑटिज्म की बीमारी का कारण बन सकता है। डा. वांग का कहना है कि इसे साबित करने के लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

एक्टिव रहें, धीमी शुरुआत करें

जो लोग आमतौर पर कसरत नहीं करते, उन्हें धीमी शुरुआत करनी चाहिए। उन्हें अपनी गति और कसरत का वक्त भी धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। हफ्ते में ढाई घंटे कोई शारीरिक गतिविधि करने का लक्ष्य बनाएं। इसके लिए चाहें तो वॉकिंग भी की जा सकती है। हफ्ते में पांच दिन रोजाना आधा घंटा पैदल चलना अच्छा रहेगा। इसके साथ ही अगर वक्त की कमी के चलते आप एक साथ तीस मिनट नहीं चल सकते हैं।

नाखून चबाने से होती है ये लाइलाज बीमारी

हम अक्सर अपने आस-पास लोगों को नाखून और उसके आस-पास की स्किन चबाने देखते हैं। वैसे तो नाखून की स्किन चबाना हमें आम सी बात लगती हैं लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि इस गंदी आदत की वजह से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ सकता है। इससे पेट संबंधी परेशानी होना स्वाभाविक है। इससे पाचन शक्ति भी कमजोर होती है। नाखून चबाने से अन्य भयानक रोग भी हो सकते हैं।

क्रोध एक प्राकृतिक भावना है। ईसा पूर्व 200 वर्षो से 200 ईसवी तक के काल के बीच लिखे गए नाट्य शास्त्र में क्रोध को एक 'रस' या नैसर्गिक भाव कहा गया है।

आइए समझें गुस्से का मनोविज्ञान

अमेरिकन फिजियोलॉजिकल एसोसिएशसन ने 'गुस्से को विपरीत परिस्थितियों के प्रति एक सहज अभिव्यक्ति कहा गया है। इस उग्र प्रदर्शन वाले भाव से हम अपने ऊपर लगे आरोपों से अपनी रक्षा करते हैं। लिहाजा अपनी अस्तित्व रक्षा के लिए क्रोध भी जरूरी होता है। आधुनिक जीवनशैली किसी भी व्यक्ति को तनाव में धकेल सकती है। अब जबकि हजारों लोगों को अपने रोजगार और घरों से हाथ धोना पड़ रहा है और यहां तक कि सेवानिवृत्त लोगों की सुरक्षित राशियां भी बाजारी उथल-पुथल के कारण गायब होती जा रही हैं - इस लिहाज से इस काल को 'ऐज ऑफ एनग्जाइटी' या व्यग्रता का युग कहा जा सकता है। इसके विपरीत, यह भी सच है कि कुछ लोग चाहे उनकी आर्थिक या पारिवारिक स्थिति कैसी भी हो, हमेशा तनाव में रहते हैं। दरअसल, वह पैदाइशी तनावग्रस्त होते हैं।

क्या आपको गुस्से की समस्या है?

गुस्से को पहचानने की जरूरत है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें ये बातें है

- धैर्य की कमी
- खाना जल्दी खाना
- बैचेनी
- काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन
- गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना

बेचैनी और तनाव भी बढ़ाते हैं क्रोध

तनाव डर से अलग होता है। इनसान या किसी अन्य जीवित प्राणी को डर उसके सामने मौजूद किसी चीज से लगता है। इसके विपरीत तनाव में व्यक्ति अपनी निर्णय करने की क्षमता को लेकर उलझा रहता है। व्यक्ति इस दौरान 'तब क्या होगा' के भंवर में फंसकर रह जाता है। लेकिन जब डर कामकाज से उलझने लगता है तो तनाव 'क्लीनिकल एनग्जाइटी डिसॉर्डर' का रूप ले लेता है, जिसके अपने कई रूप हैं जिनमें पैनिक, सोशल एनग्जाइटी, फोबिया, ऑब्सेसिव-कम्पलसिव, पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस और सबसे ऊपर एनग्जाइटी डिसॉर्डर हैं। चिंता दिमाग में एमिग्डला में अत्यधिक हलचल के कारण उत्पन्न होती है जो दिमाग के बीच का हिस्सा होता है। दिमाग का यह हिस्सा नएपन और किसी खतरे का सामना होने की सूरत में सजग होता है। अपने साधारण कामकाज के दौरान एमिग्डला नए वातावरण के प्रति शारीरिक क्रियात्मक उत्तर देता है। इस क्रिया में भावनात्मक अनुभवों की स्पष्ट यादें होती हैं। लेकिन कगान के अध्ययनों के मुताबिक विशिष्ट मानसिक बनावट वाले लोगों में एमिग्डला अतिक्रियात्मक होता है।

गुस्से पर करें काबू

- गुस्से पर नियंत्रण रखने के लिए बेहतर है कि आप सकारात्मक और क्रिएटिव काम करें
- गुस्सा होने पर किसी म्यूजिकल इंस्ट्रुमेंट को बजाएं
- कमरे को साफ करें, पिक्चर देखने जाएं, थोड़ा घूम आएं
- कुछ भी ऐसा करें जिससे आपका ध्यान कुछ देर के लिए बंट जाएं
- मजाक तनाव दूर करने का सबसे बेहतर तरीका है।
- शोध दर्शाते हैं कि तनाव को दूर करने के लिए पानी पीना चाहिए। यह तनाव को दूर करता है
- समय पर खाना खाने से, कसरत करने से और पर्याप्त आराम करने से गुस्सा कम आता है
- योगा, मेडिटेशन और कांगनेटिव तकनीक भी तनाव और गुस्से को दूर करने में कारगर है

ज्यादा टीवी देखना

हिंसक प्रोगाम देखना, क्राइम शो आदि बच्चों के मन-मस्तिष्क को पूरी तरह प्रभावित करते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि कई बार युवा हिंसा के प्रति संवेदनशील नहीं रहते और उन्हें किसी कार्य का प्रतिरोध करने के लिए गुस्सा नाजायज नहीं लगता।

दिमाग को ठंडा रखें

अकसर गुस्से के दौरान किसी को समझाने के लिए कहा जाता है कि अपने दिमाग को ठंडा रखो। हाल ही एक शोध में एक बात सामने आई है कि अगर दिमाग को ठंडा रखा जा सकें तो हृदय और पक्षाघात के खतरों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। छात्र हैरिस ऐसे ही शोध में लगे हुए है। उन्होंने ऐसा कूल हेलमेट डिजाइन किया है जो कि हाइपरथैमिया को प्रेरित करने के काम आता है। आप भी इस बात से वाकिफ होंगे कि माथे पर ठंडा कपड़ा रखने से सिरदर्द में आराम मिलता है।

ये हैं गुस्से के प्रमुख कारण

नींद

सोना अचेतन की अवस्था होती है। सोने से शरीर के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। सोने के दौरान लगातार इस्तेमाल होने वाले मांसपेशियां और जोड़ रिकवर होते हैं। रक्तचाप कम होता है और हृदय गति कम होती है। उसी दौरान शरीर में ग्रोथ हार्मोन का स्रवण होता है। इस दौरान ही दिमाग रोजमर्रा की सूचनाओं को एकत्रित करने का काम करता है। तनाव, लंबे समय तक कार्य, जीवनशैली के कारण सोने की समस्याएं होती है। बिना पूरी नींद के दिमाग और शरीर सही तरीके से फंक्शन नहीं कर पाता। पर्याप्त नींद न लेने से कई तरह की बीमारियां होती है। स्वस्थ रहने के लिए पर्याप्त नींद और आराम आवश्यक है।

पूरी नींद लें

- कॉफी, चाय, कोला, चॉकलेट का सेवन सीमा में करें। निकोटीन, एल्कोहल और कैफीन से आपकी नींद पूरी नहीं हो पाती।
- अपने दिमाग और शरीर को रिलैक्स होने का समय दें।
- मेडिटेशन करें, किताब पढ़ें, संगीत सुनें और एरोमाथेरेपी करें।
- सोने और जागने की दिनचर्या बनाएं।

शारीरिक अवस्था- कुछ स्थितियां जैसे कि एडीडी (एडिशन डेफिसिट डिअसॉर्डर)की वजह से लोग चिड़चिड़े और गुस्सैल हो जाते हैं। हार्मोनल असुंतलन और हृदय रोगों की वजह से भी लोग जल्दी आपा खो बैठते हैं।

अकेलापन

किसी नई जगह पर अकेले रहना गुस्से का एक कारण होता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जिन लोगों के दोस्त कम होते हैं सामान्यतः उन्हें गुस्सा जल्दी आता है। ऐसे बच्चे जो कि न्यूक्लियर फैमिली में पैदा होते हैं और उनके माता या पिता में से कोई एक मानसिक रूप से पीड़ित होता है। मानसिक अनियमितता की वजह से वे गुस्सैल हो जाते हैं। वे गाली देने लगते हैं, भाई-बहन से मारपीट करने लगते हैं, चीजों को तोड़ते हैं। मनोचिकित्सकों का कहना है कि अगर आपका बच्चा गुस्सा ज्यादा करता है मतलब वह कहीं न कहीं हताश है।

महत्वाकांक्षा

कारपोरेट दुनिया ने प्रगति के दो पैमाने बना दिए है पहला प्रदर्शन और दूसरा कम समय में काम को बेहतर तरीके से कर सकने की क्षमता। इस पैरामीटर पर खरा उतरने की कोशिश में कई बार लोग हताश और गुस्सैल प्रवृत्ति के हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि दूसरों की भावनाओं की क्द्र न करना, लोगों के अभिवादनों के प्रति संवदेनशीलता कम होना, भौतिक सुख-साधनों को पाने का लालच ज्यादा बढ़ना हमेशा गुस्से का कारण बनता है। आज के दौर में कई प्रोफेशन ऐसे हो गए हैं जिनमें कई बार उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ता है और उनकी सही-गलत बातों को मुस्कराकर सुनना पड़ता है। ऐसे में कई बार कुछ न कह सकने की हताशा गुस्से में परिणित हो जाती है।

गुस्सा बिगाड़ता है सेहत

गुस्सा वातावरण को तो खराब करता ही है। आपकी सेहत को भी नुकसान पहुंचाता है। गुस्सैल लोगों के फेफड़ों का फंक्शन खराब करता है साथ ही इम्यून सिस्टम पर भी बुरा असर पड़ता है।

इसकी वजह से आप तनाव से होने वाली बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। गुस्सैल व्यक्ति खुद को तो नुकसान पहुंचाता है, अपने आसपास के माहौल को भी बिगाड़ता है। एक बुरा पहलू ये है कि गुस्सा करने वाले व्यक्ति को इस बात का इल्म तक नहीं होता कि वह गुस्सा है लेकिन सुखद पक्ष ये है कि गुस्से को नियंत्रित और मैनेज किया जा सकता है।

इस पैशन से पचास बीमारियं

नौजवानों का पैशन है बाइक ड्राइविंग। हैवी ट्रैफिक के बीच घंटों तेज रफ्तार में ड्राइविंग जिस्म पर भारी पड़ती है और दिमाग पर भी। शहरी बाइकर्स के लिए तो यह समस्या और अधिक है क्योंकि शहर की भीड़-भाड़ ड्राइविंग को न सिर्फ जोखिम भरा बना रही है, बल्कि सेहत पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। जिस्म और दिमाग दोनों इसके शिकार हो रहे हैं।एक अंदाजा है कि महानगरों में नौजवान रोजाना औसतन 60 से 100 किलोमीटर तक बाइक भगाते हैं। लड़कियां भी इस मामले में कहीं पीछे नहीं हैं। लड़कियां रोजाना 40 से 60 किलोमीटर तक गाड़ी चलाती हैं। अब तो स्कूल-कॉलेज जाने के लिए भी लड़के-लड़कियां दुपहिए दौड़ाने लगे हैं। इन सबका नतीजा यह हो रहा है कि छोटी उम्र में ही दस तरह की शारीरिक व मानसिक परेशानियां होने लगी हैं।

आंखों को लगी नजर

बाइक सवारों की आंखों को बहुत कुछ झेलना पड़ता है जैसे धूप, हवा, धूल, धुआं और यहां तक कि हवा में उड़ने वाले कीट-पतंगे भी। आंखों में बहुत ज्यादा हवा, धूल, धूप लगने से 'टरेजियम' की समस्या पैदा हो जाती है। इससे आंखों से लिसलिसा पदार्थ निकलने लगता है जिसकी वजह से जलन, खुजली और लालिमा की समस्या पैदा हो जाती है। वहीं लगातार ड्राइव करने की वजह से आंखें शुष्क हो जाती हैं और उनमें जलन होने लगती है। कई बार ड्राइव करते समय दिखना भी बंद हो जाता है।

टेढ़े बैठे तो नाजुक गर्दन गई

करीब दस हजार लोगों में शोध करने पर पाया गया कि गर्दन की समस्याएं अक्सर ठीक ढंग से सवारी (बॉडी का सही पॉस्चर न होना) न करने की वजह से होती हैं। इसमें हेल्मेट को ठीक से न पहनना एक बड़ा कारण माना जाता है। इसकी वजह से कभी-कभी गर्दन में दर्द होने लगता है। ऐसा खासकर तब होता है जब हेल्मेट सिर पर काफी आगे की तरफ हो। अगर हेल्मेट आगे की ओर से नीचे झुका हुआ है तो बाइक सवार को सामने देखने के लिए अपना सिर उठाकर रखना पड़ता है।

कॉरपल टनल सिंड्रोम के लक्षण

- सिर एवं अंगुलियों में दर्द, हाथ एवं पैर की अंगुलियों में सिहरन, अंगुलियों का सुन्न होना, ग्रिप (पकड़) का ढीला होना, हाथों और कलाइयों में दर्द की शिकायत का बढ़ना आदि।

बचाव के टिप्स

- लेटते समय अपने हाथ के नीचे तकिया रखें।
- अपने हाथों का अत्याधिक इस्तेमाल न करें।
- केवल एक ही हाथ से काम न करें।

ऐसे करें बचाव

ज्यादा बाइक चलाने से होने वाले पीठ दर्द से बचा जा सकता है। लगातार एक घंटा बाइक चलाने से बचें। अगर किसी वजह से एक घंटे से अधिक बाइक चलानी पड़ भी रही है तो बीच में एक ब्रेक लें। रुक कर अपनी टांगों की स्ट्रैचिंग करें। ड्राइव करते वक्त अपनी पोजीशन समय समय पर बदलते रहें। ध्यान रखें कि ऐसा करते समय वाहन पर आपके नियंत्रण में कोई कमी न आए। रेड लाइट शरीर को आराम देने के लिए सही जगह है, जहां आप अपने हाथों, कंधों और पैरों को हिला-डुला कर उन्हें सुन्न होने से बचा सकते हैं।

क्लच से कलाई का कबाड़ा

यह कलाई और हाथों में होने वाला एक दर्द विकार है। कॉरपल टनल हाथों की पतली हड्डियों और कलाई के ऊतकों द्वारा बनाई गई एक सुरंग है। यह सुरंग आपकी मंझली तंत्रिका की हिफाजत करती है। मंझली तंत्रिका अंगूठे, तर्जनी, मध्यमा और अनामिका तक संवेदन का अहसास कराती है, लेकिन जब कलाई की नाजुक हड्डियों और स्नायु पर दबाव पड़ता है तो सूजन बढ़ने लगती है। दबाव पड़ने की सूरत में इससे संबंधित विभिन्न हिस्से सुन्न पड़ने लगते हैं। बाइक चलाने वालों में यह समस्या अधिक देखने में आती है। अंगुलियों का सुन्न होना एक खतरनाक लक्षण है। अक्सर इसका संबंध कॉरपल टनल सिंड्रोम से होता है। बाइक चलाते समय कलाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

कैसे करें बचाव

- ड्राईविंग करते समय अपना पॉस्चर सही रखें।
- यह सुनिश्चित करें कि बाइक चलाते वक्त आपका हेल्मेट आपके सिर पर ठीक तरीके से फिट हो और उसका झुकाव आगे की ओर न हो।
- गाड़ी चलाते वक्त भारी बैग को अधिक समय तक एक ही कंधे पर ना लटकाए रहें। उसे दोनों कंधों पर बारी-बारी से टांगें।
- मसाज कराने और गर्म पानी से नहाने से रोगी को तात्कालिक आराम मिल सकता है।
- पर्याप्त मात्र में कैल्शियम और विटामिन डी लेना चाहिए तथा नियमित रूप से व्यायाम करें।
- यदि आपके कंधे में सूजन, अंगुली में झनझनाहट, गर्दन दर्द या सिर दर्द है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें क्योंकि इसका संबंध आपकी बाइक ड्राइविंग से हो सकता है।

रेसिपी

सोया दही वड़ा!

सामग्री

1 कप सोयाबीन सोया बड़ी, 2 - आलू (उबलें), 1 - प्याज (बारीक कटा हुआ) , 2 - हरी मिर्च (बारीक कटी हुई) , 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर , 1/4 टी स्पून अदरक कूटा हुआ , 1/4 कप ब्रेड , क्रम्ब्स स्वादानुसार,नमक , दही के लिए सामग्री, 1 टीस्पून राई ,1 टीस्पून उडद दाल, 1 टीस्पून अदरक, कद्दूकस किया हुआ, 7-8 करीपत्ते , 2 कप बटरमिल्क ,4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर , आधा टीस्पून चाट, मसाला , तेल व घी

विधि

एक बाउल लें उसमे स्टफिंग की सभी सामग्री को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बना लें। अब इन गोलों को सुनहरा होने तक सेंकें। अब तैयार गोलों को अलग रख दें। अब एक पैन ले इसमें घी डालें और गर्म होने पर राई डाले। फिर इसमें उडद दाल, करीपत्ता डालें। फिर इसे भी अलग रख दें। अब दही का मिश्रण तैयार करने के लिए बटरमिल्क को अच्छे से फेंट लें फिर इसमें सभी मसाले और नमक को अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को बाउल में डालकर इसमें तैयार गोलों को डालें। ऊपर से इसमें इमली की चटनी डालें और 20 मिनट के लिए फ्रिज में रखे। अब लाल मिर्च पाउडर और चाट मसाला से गार्निशें करके सर्व करें।

आलू की खीर

सामग्री

दूध आधा लीटर
आलू 1
शक्कर स्वादानुसार
थोड़ा सा केसर
मिक्स ड्रायफरूट्स 2 टेबलस्पून कटे हुए

विधि

सबसे पहले दूध को गाढा होने तक उबालते रहें। अब आलू को मीडियम साइज में काट लें। आलू को काटने के बाद में इनहें घी में लाइट फ्राई करें। अब इसमें केसर व शक्कर मिलाकर शक्कर के पिघलने तक पकाएं। फ्राई किए हुए आलू व ड्रायफरूट्स मिलाकर 5 मिनट तक पकाएं। अब आलू की खीर को फ्रिज में ठंडा करने के लिए रखें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)